छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

www.cgfrontline.com

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 283 बैकुंठपुर, बुधवार 19 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मकता से बनेगा विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़: सीएम

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, रचनात्मकता तथा नवाचार की क्षमता ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं को उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप अवसर देकर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से व्यापक रूप से जोड़ना होगा। युवाओं को सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों से जोड़ने से उनमें नेतृत्व क्षमता, सेवा भाव, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना मजबूत होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने बैठक में माय भारत की गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को इस मंच से जोड़ने और विभिन्न विभागों की गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का प्रत्येक युवा विकास की मुख्यधारा से जुड़े और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। इसी उद्देश्य से 'मेरा युवा भारत' जैसे व्यापक मंच की शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री युवाओं के विचारों, आकांक्षाओं और गतिविधियों में विशेष रुचि लेते हैं तथा युवा शक्ति को विकसित भारत के संकल्प का प्रमुख आधार मानते हैं। आगे कहा कि आज का युवा तकनीक और डिजिटल माध्यमों के जरिए पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ है। उसकी सोच व्यापक है, उसमें नवाचार की क्षमता है और वह तेजी से बदलाव को आत्मसात कर सकता है। युवाओं की यही ऊर्जा सकारात्मक और राष्ट्रहित के कार्यों में लगे, इसके लिए उन्हें सही दिशा, अवसर और मंच उपलब्ध कराना आवश्यक है। आने वाले वर्षों में यही युवा देश और प्रदेश का नेतृत्व करेंगे, इसलिए उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के लिए अभी से सुनियोजित प्रयास किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने 'सशक्त युवा-सशक्त छत्तीसगढ़' की भावना के अनुरूप ग्राम से लेकर राज्य स्तर तक मजबूत समन्वय और युवा नेटवर्क विकसित करने के निर्देश दिए।

हर क्षेत्र में युवाओं को मिलें सेवा और नेतृत्व के अवसर

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, खेल, पर्यावरण संरक्षण, सिविक सेंस, इतिहास, पर्यटन, कौशल विकास, कृषि, तकनीकी शिक्षा, आपदा प्रबंधन और सामाजिक कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की भूमिका बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में युवा शक्ति का सहयोग उपयोगी हो सकता है, वहां माय भारत के माध्यम से उन्हें अवसर दिए जाएं। इससे एक ओर युवाओं को व्यावहारिक अनुभव मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उनकी ऊर्जा और रचनात्मकता का समाज और प्रदेश के हित में बेहतर उपयोग होगा।

माय भारत से देशभर में जुड़े 2.65 करोड़ से अधिक युवा

बैठक में बताया गया कि 'मेरा युवा भारत' युवाओं को सरकार, समाज और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने वाला डिजिटल एवं भौतिक मंच है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2023 को इसका शुभारंभ किया था। वर्तमान में देशभर में 2.65 करोड़ से अधिक युवा माय भारत प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं। छत्तीसगढ़ में भी 6.60 लाख से अधिक युवा इस मंच से जुड़ चुके हैं। माय भारत को युवाओं और सरकार के बीच सिंगल विंडो डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां युवाओं को स्वयंसेवा, अनुभव आधारित शिक्षण, कौशल, नेतृत्व तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों और अवसरों की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सके।

रिमझिम फुहारों के बीच खेल प्रतिभाओं ने भरी उड़ान

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ रिमझिम फुहारों के बीच खुशनुमा और उत्साहपूर्ण माहौल में मंगलवार को पेण्ड्रा के फिजिकल कॉलेज मैदान में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने ध्वजारोहण कर 18 से 21 अगस्त तक चलने वाली चार दिवसीय प्रतियोगिता के विधिवत शुभारंभ की घोषणा की। उद्घाटन समारोह में खेल प्रतिभाओं के उत्साह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आकर्षक मार्चपास्ट ने पूरे वातावरण को खेलमय बना दिया। प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा से 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 540 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। विभिन्न खेल विधाओं में प्रतिभागी अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेल नियमों का पूर्ण पालन करते हुए सच्चे अनुशासन, निष्ठा और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई। उन्होंने खिलाड़ियों से अपने खेल के गौरव, राज्य के सम्मान और खेल भावना की उच्च परंपराओं को अक्षुण्ण रखने का आह्वान किया। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों एवं अतिथियों का जीपीएम की धरती पर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि अब खेल को देखने का नजरिया बदल गया है। खेल में हम या तो जीतते हैं या सीखते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल को ऐसे खेलें कि वह पढ़ाई बन जाए और पढ़ाई को ऐसे पढ़ें कि वह खेल बन जाए। श्री साहू ने खिलाड़ियों को तनाव और अवसाद से मुक्त होकर पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता में जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्ष की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चार दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिम्नास्टिक, कबड्डी, क्रिकेट और ताइक्वांडो की स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। जिम्नास्टिक में बालक एवं बालिका, कबड्डी में बालिका, क्रिकेट में बालक तथा ताइक्वांडो में बालक एवं बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के अंतर्गत जिम्नास्टिक की स्पर्धाएं जिम्नास्टिक हॉल, गुरुकुल गौरेला, क्रिकेट की स्पर्धाएं फिजिकल कॉलेज मैदान, गुरुकुल पेण्ड्रा, ताइक्वांडो की स्पर्धाएं जनपद सभागार पेण्ड्रा तथा कबड्डी की स्पर्धाएं कबड्डी प्रशिक्षण केन्द्र पेण्ड्रा में आयोजित की जा रही हैं।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर के कड़े निर्देश लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर जोर

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों, लंबित प्रकरणों, जनशिकायतों और शासन की योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आमजन से जुड़े मामलों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने तथा लंबित प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सुशासन तिहार, सीएम हेल्पलाइन 1076, सीएम जनदर्शन, पीएम पोर्टल और लोक सेवा केंद्र के लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा की। महिला एवं बाल विकास, विद्युत, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित संबंधित विभागों को लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर आवेदक को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए। केल्हारी, मनेंद्रगढ़, खड़गवां और चिरमिरी में प्राप्त जनशिकायतों का मौके पर निरीक्षण कर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

ई-ऑफिस में तेजी लाने पर विशेष जोर

बैठक में ई-ऑफिस की प्रगति पर विशेष जोर रहा। कलेक्टर ने सभी कार्यालयों में ई-फाइल के माध्यम से कार्य करने, ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को ई-फाइल संचालन का प्रशिक्षण देने तथा राजस्व, पंचायत एवं नगरीय निकाय के अधिकारियों को ई-ऑफिस से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल कार्यप्रणाली का उद्देश्य फाइलों के निराकरण में तेजी और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाना है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और जनकल्याण योजनाओं की समीक्षा

कलेक्टर ने जिले के सभी छात्रावासों में विद्यार्थियों की मेडिकल जांच तथा आदिवासी छात्रावासों में आई टेस्ट कराने के निर्देश दिए। खड़गवां क्षेत्र को टीबी मुक्त बनाने के लिए घर-घर एक्स-रे जांच कराने तथा डॉग बाइट के मामलों की जानकारी संबंधित विभागों के साथ साझा करने कहा। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण ट्रैकर, बच्चों के आधार अपडेट और स्वर्ण प्राशन की प्रगति की जानकारी ली गई। मनेंद्रगढ़ एवं चिरमिरी में पालना केंद्र के लिए उपयुक्त भवन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग को ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, छात्रवृत्ति और विद्यार्थियों की उपस्थिति में प्रगति लाने कहा गया।

कृषि और विकास कार्यों में तेजी के निर्देश

बैठक में पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम स्वनिधि, केसीसी, एग्रीस्टैक, खाद-बीज भंडारण, धान बीज वापसी और राज्य कृषि विकास योजना की समीक्षा की गई। महतारी सदन, विधायक मद और गृह निर्माण मंडल के लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने तथा खाद्य विभाग से संबंधित 722 कार्डों का सत्यापन कर नियमानुसार कार्रवाई करने कहा गया। कलेक्टर ने श्रमिकों का अनिवार्य पंजीयन कराने, हितग्राही मूलक योजनाओं में आधार डीबीटी और अन्य ऑनलाइन डेटा को दुरुस्त रखने तथा सभी विभागों को अपने पोर्टल पर लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

मुख्य न्यायमूर्ति ने नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन का वर्चुअल भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के जस्टिस रमेश सिन्हा ने किया वर्चुअल भूमि पूजन एवं शिलान्यास

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में न्यायिक अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। अंबिकापुर में प्रस्तावित नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन निर्माण के लिए मंगलवार को वर्चुअल भूमि पूजन एवं शिलान्यास छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति जस्टिस रमेश सिन्हा ने वर्चुअल माध्यम से किया। इस अवसर पर छ.ग. उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एवं सरगुजा जिले के पोर्टफोलियो जज जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू तथा न्यायमूर्ति एवं सूरजपुर जिले के पोर्टफोलियो जज जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल की भी वर्चुअल उपस्थिति रही।

मुख्य न्यायमूर्ति जस्टिस रमेश सिन्हा ने कहा 'न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी नए न्यायालय भवन को अपने घर की तरह समझें और साथ-सुथरा रखें तथा न्यायालय के मूल उद्देश्य, अर्थात् आम जन को त्वरित एवं प्रभावी न्याय उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि वे जब पहली बार अंबिकापुर आए थे, तब ही जिला न्यायालय भवन देखकर उन्होंने नवीन भवन निर्माण कराने का संकल्प लिया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह राजपूत द्वारा मुख्य न्यायमूर्ति जस्टिस रमेश सिन्हा के प्रति आभार व्यक्त किया गया, जिनके विशेष प्रयास एवं रूचि लेने के कारण ही जिला सरगुजा में नवीन जिला न्यायालय भवन के निर्माण का कार्य प्रशस्त हुआ। समारोह के दौरान मुख्य न्यायमूर्ति जस्टिस रमेश सिन्हा द्वारा नवीन न्यायालय भवन के शिलालेख का वर्चुअल अनावरण किया गया तथा वर्चुअल शिलान्यास के पश्चात् विधि-विधान से भूमि पूजन संपन्न हुआ। समारोह में पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा, कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला न्यायालय के न्यायिक अधिकारी अधिवक्ता एवं न्यायिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

अधोसंरचना सुधार के हुए विशेष प्रयास

बता दें कि मुख्य न्यायमूर्ति जस्टिस रमेश सिन्हा ने अपने संपूर्ण कार्यकाल में छत्तीसगढ़ न्यायपालिका की अधोसंरचना में सुधार के विशेष प्रयास किए हैं। नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के निर्माण से सरगुजा के अधिवक्ताओं की चिर-प्रतीक्षित मांग पूरी होगी और पक्षकारों को सुविधा होगी, इसके लिए सरगुजा क्षेत्र की जनता की ओर से अधिवक्ताओं ने भी उनका आभार व्यक्त किया है।

प्रधान पाठक ने 5वीं के विशेष पिछड़ी जनजाति के छात्र को बेरहमी से पीटा

बलरामपुर। लगातार सुर्खियों में रहने वाला शिक्षा विभाग एक बार फिर से प्रधान पाठक के कारनामे को लेकर सुर्खियों में आ गया है। मामले की सूचना पुलिस को भी दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, विकासखंड राजपुर के प्राथमिक शाला बालक आश्रम जिगड़ी में कक्षा 5वीं के एक पहाड़ी कोरवा छात्र को प्रधान पाठक द्वारा बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगा है। घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे की बताई जा रही है। किसी बात को लेकर प्रधान पाठक बिपता राम रवि नाराज हो गए और उन्होंने छात्र को बांस के डंडे से जमकर पीटा। इस दौरान छात्र का बड़ा भाई मौके पर मौजूद था। पिटाई के बाद छात्र किसी तरह स्कूल से निकलकर उस घर तक पहुंचा, जहां से वह रोजाना स्कूल आना-जाना करता था और वहां मौजूद लोगों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद स्वजन एवं ग्रामीणों ने बच्चे का उपचार कराया।

बाढ़ से निपटने एमसीबी में तैयार होगा 'जीरो डिले' रिस्पॉन्स सिस्टम, टेबल टॉप एक्सरसाइज में बनी समन्वित रणनीति

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। संभावित बाढ़ आपदा के दौरान जान-माल की सुरक्षा और राहत-बचाव कार्यों में किसी भी तरह की देरी न हो, इसके लिए मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में आपदा प्रबंधन तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से मंगलवार को राज्य स्तरीय टेबल टॉप एक्सरसाइज-मॉक एक्सरसाइज ऑन फ्लड डिजास्टर इन छत्तीसगढ़ के तहत जिले की तैयारियों की समीक्षा की गई। अभ्यास में लगातार भारी बारिश, नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर, निचले क्षेत्रों में जलभराव, गांवों का संपर्क टूटने, सड़क-पुल क्षतिग्रस्त होने, बिजली बाधित होने और लोगों के फंसने जैसी काल्पनिक परिस्थितियों को सामने रखकर एकीकृत राहत एवं बचाव रणनीति तैयार की गई।

टेबल टॉप एक्सरसाइज में बाढ़ की सूचना मिलने से लेकर चेतावनी जारी करने, नियंत्रण कक्ष की सक्रियता, संसाधनों की तैनाती, लोगों की सुरक्षित निकासी, रेस्क्यू, राहत शिविर, स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, खाद्य सामग्री तथा सड़क-बिजली-संचार व्यवस्था की बहाली तक विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों और आपसी समन्वय की समीक्षा की गई। उद्देश्य रखा गया कि आपदा के समय निर्णय और कार्रवाई के बीच न्यूनतम समय हो तथा जिला प्रशासन से लेकर ग्राम स्तर तक पूरा तंत्र एक साथ सक्रिय हो।

अभ्यास में बाढ़ प्रबंधन की पहली कड़ी के रूप में सटीक और समयबद्ध सूचना तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया गया। मौसम, वर्षा, नदी-नालों के जलस्तर और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी करते हुए चेतावनी प्रभावित लोगों तक पहुंचाने की व्यवस्था पर चर्चा हुई। एसएमएस, सायरन, मुनादी, स्थानीय संचार माध्यमों और मैदानी अमले के उपयोग के साथ मोबाइल नेटवर्क या बिजली बाधित होने की स्थिति में वैकल्पिक संचार व्यवस्था सक्रिय रखने की रणनीति बनाई गई।बाढ़ को बहु-विभागीय आपदा मानते हुए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुलिस, नगर सेना एवं अग्निशमन, स्वास्थ्य, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय निकाय, विद्युत, खाद्य, परिवहन, पशुपालन, वन एवं दूरसंचार विभाग की भूमिका तय करने और आपसी समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया गया। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तंत्र समग्र समन्वय एवं निगरानी करेगा, पुलिस एवं सुरक्षा बल सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संभालेंगे तथा अग्निशमन एवं प्रशिक्षित बचाव दल रेस्क्यू में जुटेंगे। आवश्यकता पड़ने पर एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ जैसी विशेषज्ञ एजेंसियों की सहायता लेने की तैयारी भी रखी जाएगी। काल्पनिक परिदृश्य में बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगजनों, बीमार व्यक्तियों और अकेले रहने वाले लोगों को प्राथमिकता से सुरक्षित निकालने पर विशेष जोर दिया गया। प्रभावित परिवारों को राहत शिविरों तक पहुंचाने के साथ भोजन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधा, सुरक्षा और आवश्यक दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई। स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीम, एंबुलेंस और आवश्यक दवाओं के साथ तैयार रखने तथा गंभीर मरीजों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने पर जोर दिया गया। बाढ़ के बाद दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए पेयजल स्रोतों की जांच, क्लोरीनेशन और वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था को भी योजना में शामिल किया गया। भारी बारिश और जलभराव के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में आकाशीय बिजली और सर्पदंश के खतरे को भी आपदा प्रबंधन रणनीति में शामिल किया गया। ग्रामीणों को मौसम चेतावनी के प्रति सजग करने, गर्जना-चमक के दौरान खुले स्थानों एवं पेड़ों के नीचे नहीं रहने तथा सुरक्षित भवनों में शरण लेने के लिए जागरूक करने पर जोर दिया गया।

अपर कलेक्टर पर प्लेसमेंट कर्मचारी से मारपीट का आरोप, थाने पहुंचा अमला

लाइफलाइन शिविर में सड़क की बदहाली को लेकर विवाद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रेलवे स्टेशन बिश्रामपुर के प्लेटफार्म नंबर 2 पर संचालित लाइफलाइन शिविर में मंगलवार को उस समय विवाद की स्थिति निर्मित हो गई, जब नगर पंचायत बिश्रामपुर के प्लेसमेंट कर्मचारियों ने अपर कलेक्टर एवं लाइफलाइन शिविर के नोडल अधिकारी जगन्नाथ वर्मा पर सुपरवाइजर के साथ मारपीट करने तथा बीच-बचाव कर रहे एक अन्य कर्मचारी का मोबाइल क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद नगर पंचायत के प्लेसमेंट कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में कर्मचारी बिश्रामपुर थाना पहुंचे। कर्मचारियों ने अपर कलेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए लिखित शिकायत सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्लेसमेंट कर्मचारी सुपरवाइजर आकाश सिन्हा के अनुसार रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-2 पर दो दिन पूर्व लाइफलाइन शिविर शुरू हुआ है। नगर पंचायत के कर्मचारी प्रतिदिन की तरह मंगलवार को भी शिविर में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने पहुंचे थे। इसी दौरान क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण शिविर तक पहुंचने वाली सड़क पर कीचड़, गड्ढों और जगह-जगह पानी जमा होने की स्थिति बनी हुई थी। आरोप है कि शिविर के निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी जगन्नाथ वर्मा की नजर सड़क की बदहाली पर पड़ी। इसके बाद उन्होंने कर्मचारियों से सड़क की स्थिति और सुधार कार्य को लेकर जानकारी ली। इसी दौरान बात कथित रूप से विवाद में बदल गई।प्लेसमेंट कर्मचारी सुपरवाइजर आकाश सिन्हा ने आरोप लगाया कि सड़क की स्थिति को लेकर चर्चा के दौरान अपर कलेक्टर नाराज हो गए और उनके साथ अभद्रता करते हुए मारपीट शुरू कर दी। सिन्हा का आरोप है कि उन्हें लात-मुक्कों के अलावा छाते से भी मारा गया तथा जमीन में गाड़ देने की धमकी भी दी गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें जबरन घसीटते हुए वाहन में बैठाने का प्रयास किया गया। घटना से मौके पर मौजूद अन्य कर्मचारियों में भी अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। मामले को शांत कराने और सुपरवाइजर को बचाने के लिए प्लेसमेंट कर्मचारी रितेश के बीच-बचाव करने पर अपर कलेक्टर द्वारा रितेश का मोबाइल छीनकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना के बाद कर्मचारियों ने एकजुट होकर बिश्रामपुर थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दी और पूरे मामले की जांच कर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कर्मचारियों के थाने पहुंचने के बाद यह मामला नगर में चर्चा का प्रमुख विषय बन गया। घटना के बाद

प्रशासनिक स्तर पर भी मामले को शांत कराने के प्रयास किए जाने की चर्चा सामने आई है। बताया जा रहा है कि कलेक्टर ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए दोनों पक्षों के बीच उत्पन्न विवाद को शांत कराने का प्रयास किया है। हालांकि शिकायत में लगाए गए आरोपों और घटना की वास्तविक परिस्थितियों को लेकर आधिकारिक स्तर पर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आ सकी है।

शिकायत के बाद जांच पर टिकी निगाहें

फिलहाल एक ओर जहां प्लेसमेंट कर्मचारी अपने सुपरवाइजर के साथ मारपीट और मोबाइल क्षतिग्रस्त किए जाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अपर कलेक्टर ने पूरे आरोपों को खारिज कर दिया है। ऐसे में अब पुलिस की जांच और शिकायत के आधार पर सामने आने वाले तथ्यों पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।लाइफलाइन शिविर जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य आयोजन के दौरान प्रशासनिक अधिकारी और नगर पंचायत कर्मचारियों के बीच सामने आया यह विवाद मंगलवार को पूरे बिश्रामपुर में चर्चा का विषय बना रहा।

अपर कलेक्टर ने आरोपों को बताया निराधार

अपर कलेक्टर एवं लाइफलाइन शिविर के नोडल अधिकारी जगन्नाथ वर्मा ने कर्मचारियों द्वारा लगाए गए मारपीट के आरोपों को पूरी तरह गलत और निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि शिविर में कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों का उचित तरीके से निर्वहन करने के लिए कहा गया था। उन्होंने किसी भी कर्मचारी के साथ मारपीट किए जाने से इनकार करते हुए कहा कि आखिर कर्मचारियों द्वारा इस तरह का आरोप क्यों लगाया गया, यह उनकी समझ से परे है।

देवगढ़ धाम में तीन सावन सोमवार को हुआ महारुद्राभिषेक व विशाल भंडारा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्रावण मास के अवसर पर जमदग्नि ऋषि की तपोभूमि देवगढ़ धाम स्थित अर्धनारीश्वर शिवलिंग में लगातार तीन सावन सोमवार को विशेष पूजा-अर्चना, महारुद्राभिषेक एवं सहस्त्रार्चन का आयोजन किया गया। राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद के सदस्य सुभाष गोयल एवं उनके अनुज समाजसेवी विजय गोयल द्वारा श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भगवान भोलेनाथ का गन्ने के रस, सरसों तेल एवं गंगाजल से महारुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान लाखों की संख्या में बेलपत्र, समीपत्र, पुष्प, काली तिल, जौ, मूंग दाल, अखंड अक्षत सहित विभिन्न पूजन सामग्रियों से भगवान अर्धनारीश्वर का सहस्त्रार्चन किया गया। पूजा अर्चना पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। देवगढ़ धाम में भक्तिमय वातावरण के बीच भगवान भोलेनाथ के जयकारे गूंजते रहे। सुभाष गोयल ने श्रद्धालुओं से 24 अगस्त को होने वाले आयोजन में भी बढ़-चढ़कर शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने भगवान अर्धनारीश्वर के दर्शन एवं पूजन के साथ भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से देवगढ़ धाम पहुंचने की अपील की।आयोजन को सफल बनाने में मोहन लाल अग्रवाल, पूर्व जनपद सदस्य पवन अग्रवाल, रामेन्द्र सिंह, अंशुल गोयल, विवेक गोयल, अतुल मित्तल, पार्षद बृजेन्द्र सिंह, पार्षद दीपमाला सोनी, लखन सोनी, मोनी बाबा, श्रीराम पांडेय, सुरेश पांडेय, गौरव गोयल, शानू सिंह, नीरज गोयल सहित अन्य सक्रिय रहे।

बाढ़ आपदा पर कलेक्ट्रेट में हुई टेबल टॉप एक्सरसाईज, 20 को होगी मॉकड्रिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर टेबल टॉप एक्सरसाईज का अयोजन किया गया। जिसमें संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

टेबल टॉप एक्सरसाईज में आपातकालिन या संकट से निपटने हेतु विभिन्न कार्ययोजनाओं पर चर्चा हुई, इसके साथ ही उपस्थितजनों को अलग-अलग परिस्थितियों में अपनाया जाने वाले आपदा प्रबंधन के गुर सिखाएं गये। बैठक मे जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी संजय गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर रमेश मोर, सुनील अग्रवाल व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में बाढ़ आपदा पर आधारित मॉकड्रिल का आयोजन 20 अगस्त को आमगांव ओपन कास्ट माईन, रामानुजनगर में किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कार्यालय द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार यह मॉकड्रिल आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने तथा आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

प्रशासन ने जिलेवासियों से इस महत्वपूर्ण मॉकड्रिल में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने आमजन से अपील की है कि आमगांव ओपन कास्ट माईन, रामानुजनगर मे आयोजित होने वाली मॉकड्रील केवल प्रशिक्षण अभ्यास है, नागरिक घबराएं नहीं, शांति बनाए रखें, मॉक ड्रिल का हिस्सा बन जागरूक बने और आपदा प्रबंधन की जानकारी प्राप्त करें।

भटकती मिली 12 वर्षीय बालिका, पहचान हेतु पुलिस ने आमजन से मांगी मदद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम चैनपुर में एक 12 वर्षीया बालिका भटकते हुए मिली है। जिसकी पहचान हेतु जिला प्रशासन एवं बाल संरक्षण विभाग ने आमजन से सहयोग का आग्रह किया है। बताया गया है कि 16 अगस्त की रात्रि जिले के थाना झिलमिली ग्राम चैनपुर में एक लगभग 12 वर्षीय बालिका भटकते हुए मिली। पुलिस द्वारा बालिका को संरक्षण में लेकर आवश्यक कार्यवाही की गई। इसके बाद 17 अगस्त को महिला आरक्षक, पुलिस थाना झिलमिली द्वारा बालिका को आवश्यक कार्यवाही हेतु बाल कल्याण समिति, के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति द्वारा बालिका का नाम गौरी रखा गया है। वर्तमान में बालिका अपने संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रही है, जिसके कारण उसके परिजनों एवं निवास स्थान की पहचान नहीं हो सकी है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग ने आम

नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को इस बालिका के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी हो तो वह बालिका को पहचानता हो, तो तत्काल महिला एवं बाल विकास विभाग, मोबाइल नंबर 7987721889 पर सूचना दें ताकि उसे परिजनों तक पहुंचाया जा सके।

दूधमुंहे बच्चे को घर में छोड़ विवाहिता ने लगाई फांसी, मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत सतपता के यादवपारा में सोमवार की शाम एक 22 वर्षीय एक विवाहिता ने अज्ञात कारणों से अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त घर में उसका केवल एक वर्षीय दूधमुंहा बच्चा मौजूद था, जबकि उसका पति काम में गया था। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत सतपता यादवपारा निवासी 22 वर्षीय जीरवंती यादव पति उगेश यादव ने सोमवार को अपने घर में अज्ञात कारणों से फांसी लगा ली है। घटना की सूचना मिलते ही बिश्रामपुर पुलिस मौके पर पहुंच घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को फंदे से उतरवाया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए शव का पंचनामा तैयार करा पीएम कराया। विवाहिता ने आखिर किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, फिलहाल इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। घटना को लेकर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस परिजनों एवं आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।पुलिस का कहना है कि मर्ग जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नागपंचमी पर कोयलांचल में हुई कुश्ती, 16 जोड़ियों ने दिखाया दमखम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नागपंचमी के अवसर पर बिश्रामपुर में एक बार फिर मिट्टी के अखाड़े में कुश्ती के दांव-पेंच और पहलवानों की जोरदार जोरआजमाइश ने दर्शकों में उत्साह भर दिया। स्व. रामनंदन सिंह यादव उर्फ गिरधारी पहलवान स्मृति कुश्ती प्रतियोगिता में क्षेत्रभर से पहुंचे पहलवानों ने अपने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। मुकाबलों के दौरान अखाड़े में जहां पहलवानों के दांव-पेंच देखने को मिले, वहीं दर्शकों की तालियों और उत्साहवर्धन से पूरा माहौल रोमांचित हो उठा। ज्ञात हो कि वर्ष 1994 से लगातार आयोजित हो रही इस कुश्ती प्रतियोगिता का उद्देश्य नई पीढ़ी को प्राचीन भारतीय खेल और अखाड़ा संस्कृति से जोड़कर रखना है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी नागपंचमी के अवसर पर आयोजन समिति द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वर्ग के पहलवानों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसईसीएल बिश्रामपुर के क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि कुश्ती केवल

एक खेल नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन परंपरा, संस्कृति और पौराणिक सभ्यता की पहचान है। उन्होंने कहा कि कुश्ती युवाओं के शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक मजबूती, अनुशासन और आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है। उन्होंने आयोजन समिति की मांग पर कुश्ती स्थल पर शेड निर्माण कराने की घोषणा भी की, जिससे भविष्य में होने वाले आयोजनों में खिलाड़ियों और दर्शकों को सुविधा मिल सके। विशिष्ट अतिथि शिवनंदनपुर नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने लगातार 33 वें वर्ष कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित किए जाने पर समिति को बधाई देते हुए कहा कि किसी परंपरा को इतने लंबे समय तक निरंतर बनाए रखना अपने आप में सराहनीय प्रयास है। वहीं नगर पंचायत बिश्रामपुर के पूर्व अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि यह आयोजन बिश्रामपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के उन युवाओं के लिए बेहतर मंच है, जो कुश्ती में अपना हुनर दिखाना चाहते हैं। ऐसे आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता है और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में सतपता गांव के पहलवान अयान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनपुर के पहलवान को पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। मुकाबले में दोनों पहलवानों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी, लेकिन अयान ने अपने बेहतर दांव-पेंच और तकनीक के दम पर बाजी मार ली। इसके बाद कनिष्ठ वर्ग में भी पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन किया, जिसमें पहलवान राम ने विजेता का खिताब हासिल किया।

पूरी प्रतियोगिता के दौरान 16 जोड़ियों के पहलवानों ने अखाड़े में उतरकर अपनी कला और कौशल का जोरदार प्रदर्शन किया। एक के बाद एक हुए मुकाबलों में कभी पहलवानों ने पलटवार किया तो कभी शानदार दांव लगाकर प्रतिद्वंद्वी को चित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत बिश्रामपुर के उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, रामचंद्र यादव, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश यादव, शिवनंदनपुर नगर पंचायत के उपाध्यक्ष अंशुल गोयल, राजकिशोर चौधरी, गोपाल सिंह विद्रोही, सतीश तिवारी, शंकर यादव, अनुपम फिलिप,प्रेमजीत सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मनजीत सिंह, रविशंकर बऊवा, विनोद पटेल सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। आयोजन समिति के अध्यक्ष पूर्व नपं बिश्रामपुर अध्यक्ष आशीष यादव ने सभी अतिथियों स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में निर्णायक की भूमिका रामजीत यादव पिंटू, पहलवान मंगल यादव, परमेश्वर, इंद्रजीत यादव और अमरेश प्रसाद ने निभाई।

नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नहीं बल्कि पूरे समाज को पहुंचता है नुकसान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र के तत्वावधान में डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में 18 अगस्त को युवाओं एवं विद्यार्थियों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देने के उद्देश्य से नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम का किया गया। अध्यापिका विजयलक्ष्मी सिंह तथा बीना सुजीत के नेतृत्व में नशा मुक्ति विषय पर प्रश्न मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रश्नमंच में द विजिलेंस और द अवेकनर्स दो टीमें रही। कार्यक्रम के दौरान दोनों ही टीमों के विद्यार्थियों ने नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों से संबंधित प्रश्नमंच में

उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रश्नमंच प्रतियोगिता में द अवेकनर्स टीम ने जीत हासिल की। अध्यापिका काकोली मुखर्जी, नीलम पांडेय एवं अध्यापक अमूल्य भोई के मार्गदर्शन में कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा प्रभावशाली हिंदी नाटक नशे को ना कहो, जीवन को हां कहो प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से नशे की गिरफ्त में आने वाले व्यक्ति, उसके परिवार तथा समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को संवेदनशील एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने अपने अभिनय के माध्यम से सभी को नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। इस अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल विश्रामपुर की फुटबॉल टीम ने 15 अगस्त को एकता स्टेडियम में आयोजित प्रोत्साहन कप फुटबॉल प्रतियोगिता के उपविजेता बनने पर प्राचार्य अनामिका भारती द्वारा सभी खिलाड़ियों को मेडल एवं फुटबॉल किट प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया। प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती ने विद्यालय परिवार को नशा मुक्त रहने एवं जागरूकता की शपथ दिलाई। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत हिंदी नाटक नशे को ना कहो, जीवन को हां कहो एवं प्रश्नमंच की सराहना करते हुए कहा कि नशा मुक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सामूहिक संकल्प है। नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, कार्यक्षमता और पूरे समाज को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से सदैव दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। कक्षा बारहवीं की छात्रा सिद्धि जायसवाल ने कहा कि हम सभी को नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सकारात्मक जीवन अपनाना चाहिए।

यदि कोई व्यक्ति नशे की समस्या से जूझ रहा है, तो उसका उपहास करने के बजाय उसे परिवार, शिक्षक या किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सहायता लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए। कार्यक्रम में मंच संचालन विमान घोष ने किया।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनी बाई आ० स्व० अमर साय निवासी शितला वार्ड (अ०पुर), थाना (अ०पुर) तहसील ने कराया है कि आवेदक के सोनी बाई की (ननंद कानी) आ० स्व० राम दच्छ्याल की दिनाक 20/07/1988 को स्थान शीतला वार्ड (अ.पुर) में हुई है। आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण–पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय–सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 11/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनी बाई आ० स्व० अमर साय निवासी शितला वार्ड (अ०पुर), थाना अ०पुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के सोनी बाई (सास ननकी) आ० स्व० रामदयाल की दिनांक 5/01/1980 को स्थान शितला वार्ड (अ०पुर) में हुई है। आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 11/8/2006 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

तरापाली में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर।विकासखण्ड में राष्ट्रीय पर्व स्वाधीनता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्यालय रामानुजनगर सहित सभी ग्राम पंचायतों, सरकारी दफ्तरों तथा शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा आन बान शान से लहराया।ग्राम पतरापाली स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भाजपा महामंत्री सौभाग्य दुबे ध्वजारोहण व ध्वज वंदन कर सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। रामानुजनगर विकासखण्ड में आजादी का महापर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया।मुख्यालय के जनपद पंचायत

कार्यालय में जनपद अध्यक्ष गुलाब सिंह, शिक्षा विभाग में जनपद उपाध्यक्ष रामप्रताप साहू कृषि विभाग में कृषि स्थाई सभापति कवल साय सिंह सहित सभी शासकीय कार्यालयों सहित शैक्षणिक गैर शैक्षणिक संस्थाओं में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। भाजपा महामंत्री सौभाग्य दुबे ग्राम पतरापाली हायर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि रहे। जहां उन्होंने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण पस्चात गणमान्य नागरिकों के गरिमामय उपस्थिति में शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया हुआ, जहां स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत पारंपरिक व छत्तीसगढ़ी गीतों सहित भाषण कविता नाटक आदि की प्रेरणादायक प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बच्चों द्वारा मोबाइल के दुरूपयोग पर किया गया नाटक का मंचन रहा।गत वर्ष की बोर्ड परीक्षा कक्षा 10 वीं -12 वीं में सर्वोत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अपनी घोषणा के अनुसार जनपद सदस्य अनिता सिंह तथा शिक्षक बिजेंद्र साहू व राजेश्वर सिंह द्वारा चार-चार हजार रुपए नगद राशि से अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया। स्काउट गाइड जंबूरी पंचमढ़ी मध्यप्रदेश में पार्टीसिपेट करने वाले कैडेट्स को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।समारोह को संबोधित करते हुए सौभाग्य दुबे ने आजादी के महान पर्व स्वाधीनता दिवस पर अपनी बधाई शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए देश की एकता अखंडता और संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखे जाने की बात कही। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक कमला प्रसाद दुबे, जनपद सदस्य अनिता सिंह, सरपंच परबतिया सिंह, उप-सरपंच मधुशिला सिंह, राधिका प्रसाद दुबे, विश्वनाथ पटेल,श्याम लाल ठाकुर, गोरे लाल पटेल, बंशीलाल शर्मा, छोटे लाल पटेल, धर्मपाल यादव, राम सिंह, सुनील कुशवाहा, अरविंद सिंह, प्राचार्य हेमसाय सिंह, प्रधानाध्यापक के.के.यादव, प्रधानपाठक प्रविना देवांगन, बिजेंद्र साहू, योगेश साहू, संतोष जायसवाल, रिनु दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, शिक्षक शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ आयुर्वेद एवं यूनानी परिषद के चल रहे चुनाव का परिणाम 30 सितंबर को

संघ की ओर से डॉ रजनीश मैदान में

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्वेद तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा परिषद चुनाव में छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ द्वारा परिषद चुनाव 2026 के लिए प्रदेश के प्रत्येक संभाग से अपने अधिकृत प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा गया है। संघ का उद्देश्य प्रदेश के आयुर्वेद एवं संबंधित चिकित्सा पद्धतियों के पंजीकृत चिकित्सकों के हितों को प्रभावी रूप से परिषद के समक्ष रखना तथा परिषद के कार्यों में पारदर्शिता, निष्पक्षता और चिकित्सकों की सहभागिता को मजबूत करना है। इस चुनाव में जीवित एवं वैध रूप से पंजीकृत

प्रदेश के आयुष चिकित्सक 17 सितम्बर तक प्राप्त बैलेट पेपर में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। संघ के द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए सरगुजा संभाग में अपने अधिकृत प्रत्याशी के रूप में डॉ रजनीश जायसवाल को मैदान में उतारा है। संघ ने कहा है कि मतदान प्रत्येक चिकित्सक का स्वतंत्र एवं लोकतांत्रिक अधिकार है। किसी भी चिकित्सक पर किसी प्रकार का दबाव या अनुचित प्रभाव डालना संघ की भावना के विपरीत है। निर्वाचन के संबंध में संयुक्त जिला सरगुजा संभाग द्वारा आयुष चिकित्सकों से मतदान हेतु लोकतांत्रिक अपील की गई है। छ ग आयुर्वेद अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ गदाधर पण्डा ने कहा कि मतदान सब का अपना अधिकार है। संघ के द्वारा किसी भी आयुष चिकित्सक पर मतदान हेतु किसी प्रकार का दबाव, भय, प्रलोभन अथवा अनुचित प्रभाव नहीं बनाया गया है। सभी चिकित्सक अपने विवेक एवं स्वतंत्र इच्छा के अनुसार अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पूर्णतः स्वतंत्र हैं।

सरस्वती साइकिल योजना से 131 बेटियों को मिली उड़ान, 90% लाने पर मिलेगा नगद पुरस्कार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर।शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में सरस्वती साईकिल योजना के तहत साईकिल वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद उपाध्यक्ष रामप्रताप साहू ने बच्चियों को लड्डू खिलाकर साईकिल प्रदान किया। शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साईकिल योजना के तहत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में जनपद उपाध्यक्ष रामप्रताप साहू के मुख्य आतिथ्य में साईकिल वितरण किया गया। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष साहू ने कहा

कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा चलाई गई महात्वाकांक्षी योजना है, और यह योजना इतनी कारगर साबित हुई है कि बेटियां का अब परिक्षा परिणाम में लड़कों से बेहतर आ रहा है। जनपद उपाध्यक्ष ने इस दौरान घोषणा किया है कि इस सत्र में कक्षा 12वीं व कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में जो छात्राएं 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करेंगी उन्हें पांच हजार और ढाई हजार रुपए नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम को मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, महामंत्री सौभाग्य दुबे व पूर्व मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश उपाध्याय ने भी संबोधित करते हुए शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार बताया। इस दौरान कक्षा नवमी में अध्ययनरत 131 छात्राओं को साइकिल प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य चंद्र कला उपाध्याय पूर्व मंडल अध्यक्ष अध्यक्ष सत्यनारायण दुबे राजेश शंकर दास प्राचार्य कामता प्रसाद प्रजापति रहमान खान सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं व छात्राएं उपस्थित थे।

मोडिफाइड साइलेंसर पर कब होगा एक्शन ?

बुजुर्गों,बीमारों और नवजात शिशुओं को हों रही परेशानी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। शहर में लंबे समय से मोडिफाइड साइलेंसर वाली बाइकों की तेज आवाज आम लोगों के लिए सिरदर्द बनी हुई है। दौलतमंद और रसूखदार परिवारों के युवकों द्वारा दिन-रात सड़कों पर फरार्टा भरते इन वाहनों से न सिर्फ शांति भंग हो रही है, बल्कि बुजुर्गों, बीमारों और नवजात शिशुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि यह समस्या सालों से चली आ रही है,लेकिन अब तक ठोस और निरंतर कार्रवाई नदारद रही है।

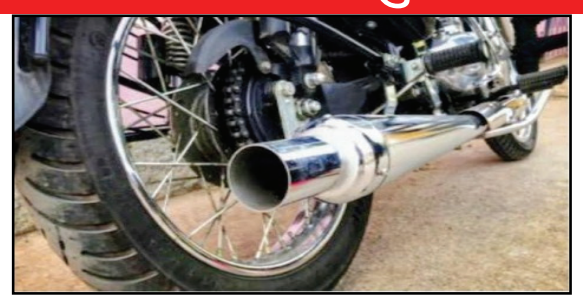

स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना क्षेत्र में ऐसी अनेकों मोटरसाइकिलें खुलेआम दौड़ रही हैं,लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। जिसके चलते मनचले एवं बिगड़े युवकों के हौसले बुलंद है दिन भर शहर की सड़कों पर इन लोगों के द्वारा तेज रफ्तार का सिलसिला जारी है यह बिगड़े युवक खासकर स्कूल एवं कॉलेज के समय अपनी ज्यादा रफ्तार दिखाते रहते हैं। आरोप है कि शहर की सड़कों पर न सिर्फ मोडिफाइड साइलेंसर वाली बाइकें दौड़ रही हैं, बल्कि एक बाइक पर चार-पांच सवार, बिना हेलमेट, तेज रफ्तार में खुलेआम नजर आते हैं। यदि पुलिस चाहे तो चौक-चौराहों और दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर पूरे नेटवर्क को आसानी से सामने ला सकती है। अब बड़ा सवाल यही है कि जांच के आदेश देगा कौन और करेगा कौन? शहर की हालत यह है कि सड़कें ट्रांसपोर्ट नगर जैसी बन चुकी हैं, जहां बीच सड़क पर वाहन खड़े कर खरीदारी आम बात हो गई है। जनता का कहना है कि यदि संबंधित विभाग निरंतर और निष्पक्ष कार्रवाई करे तो रामानुजगंज के लोग राहत की सांस ले सकते हैं। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि ऐसी कार्रवाई अक्सर कागजों तक ही सीमित रह जाती है।

जनपद सदस्य राजू गुप्ता की अगुवाई में गंगौटी में निकली भव्य कांवड़ यात्रा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम गंगौटी में सावन के पावन महीने में पूरा क्षेत्र शिवभक्ति में सराबोर नजर आया।प्रत्येक वर्ष की परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी जनपद सदस्य राजू गुप्ता की अगुवाई में भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई।कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। भगवा वस्त्रों में कांवड़ लेकर चल रहे श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

कांवड़ यात्रा की शुरूआत खुटरापारा स्थित गोबरी नदी से हुई। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से नदी का पवित्र जल कांवड़ में भरा और भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए यात्रा प्रारंभ की। कांवड़ लेकर श्रद्धालु निर्धारित मार्ग से आगे बढ़ते रहे। इस दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। यात्रा का पहला प्रमुख पड़ाव बैरीदिहारी डैम स्थित सिद्ध बाबा मंदिर रहा। यहां पहुंचकर कांवड़ियों ने भगवान सिद्ध बाबा को पवित्र जल अर्पित किया। पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पहला जल अर्पण करने के बाद कांवड़ यात्रा आगे बढ़ते हुए गंगौटी स्थित ओमकारेश्वर बाबा मंदिर पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। कांवड़ियों ने भगवान शिव से क्षेत्र में सुख-शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्ति का नजारा देखते ही बन रहा था। हाथों में कांवड़ और जुबां पर हर-हर महादेव, बोल बम के जयकारों के साथ श्रद्धालु आगे बढ़ते रहे।जगह-जगह लोगों ने कांवड़ियों का स्वागत किया। पूरी यात्रा के दौरान धार्मिक उत्साह और आस्था का माहौल बना रहा।

धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, बच्चों ने बांधा समां

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। हाई स्कूल पटना में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यहां विधायक प्रतिनिधि व शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष संत साहू ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को नमन किया। गांव के सभी शैक्षणिक संस्थानों में जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्वजारोहण पस्चात संकुल स्तरीय सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति से

ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि संत साहू ने कहा कि देश को आजाद हुए आज 80 साल हो गए।इन 80 वर्षों में भारत ने जहां एक ओर अनेक क्षेत्रों में बुलंदियों को छुआ है तो वहीं अभी अनेक क्षेत्रों में अभी विकास किए जाने की आवश्यकता है।

कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण का कथा प्रारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। श्रावण मास के पावन अवसर पर मंगलवार को कन्हर नदी से विधिवत जल उठाने के बाद नगर के प्राचीन श्री राम मंदिर में पूजा अर्चना उपरांत कलश यात्रा निकल गई जो पूरा नगर भ्रमण के दौरान हर-हर महादेव और ॐ नमः शिवाय के जयघोष से पूरा नगर गूंज उठा। तदुपरांत कलश यात्रियों ने मां महामाया मंदिर के समिप स्थित काका लरंगसाय टाउन हॉल कथा स्थल पहुंचे जहां प्रतिदिन शिव महापुराण का कथा दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है उक्त कथा 18 अगस्त से 24 अगस्त तक चलेगा। कथा व्यास श्रीधाम वृंदावन के पं.कुंज बिहारी महाराज के मुखारविंद से कथा का रसपान श्रोताओं लोग ग्रहण करेंगे। शिव महापुराण की कथा के प्रथम दिन व्यासपीठ (वक्ता) द्वारा भगवान शिव के मंगलमय नाम का

स्मरण करते हुए शिव पुराण की महिमा,उसके श्रवण का महत्व और कलिकाल में जीवों के कल्याण का मार्ग बताया गया।मूल ग्रंथों और कथा परंपरा के अनुसार प्रथम दिवस पर शिव पुराण की महिमा और फलपाप नाशःशिव पुराण समस्त जीवों का कल्याण करने वाला और सभी पापों का नाश करने वाला परम ग्रंथ है।इसे सुनने या पढ़ने मात्र से मनुष्य भगवान शिव का कृपापात्र बन जाता है और अंत में परम गति (मोक्ष) को प्राप्त करता है। कथा श्रवण का संकल्प और नियमभक्ति, ज्ञान और वैराग्यः व्यास जी समझाते हुए कहे कि शिव पुराण में मुख्य रूप से भक्ति,ज्ञान और वैराग्य का गान किया गया है।चित्त की शुद्धिःकथा के प्रारंभ में चित्त को शांत रखकर भगवान शिव के वेद-सार रूपी अमृत वचनों को एकाग्रचित्त होकर सुनने का आह्वान किया जाता है।

देशभक्ति से जुड़ी हर चीज का विरोध करना कांग्रेस की नीति- देव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष देव गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम गाए जाने को लेकर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने जो आपत्ति की वह राष्ट्रगीत का अपमान है।उन्होंने कहा कि देशभक्ति से जुड़ी किसी भी चीज का विरोध करना कांग्रेस की नीति है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष देव गुप्ता ने मांग की कि यदि कांग्रेस में जरा भी देशभक्ति है तो वह राष्ट्रगीत के अपमान के लिए 24 घंटे के भीतर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। भाजयुमो जिला अध्यक्ष देव गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर राहुल और सोनिया गांधी द्वारा वंदे मातरम का विरोध 'दिमागी नक्सल समर्थन तंत्र' वाली मानसिकता को दशार्ता है।उन्होंने कहा, 'क्या कोई देशभक्त, कोई भी भारतीय जो भारत के संविधान में विश्वास रखता हो, तिरंगे का सम्मान करता हो, भारत के स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करता हो और भारत की संप्रभुता और अखंडता में यकीन रखता हो, वह कभी स्वतंत्रता दिवस पर वंदे मातरम गाने से नाराज हो सकता है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न सिर्फ आजादी की लड़ाई लड़ने वालों का ही नहीं, बल्कि देश के संविधान, उसकी संप्रभुता और अखंडता एवं देश के 140 करोड़ लोगों का भी अपमान किया है।

जहां बारिश में टपकती थी छत, अब वहीं खिल रहे हैं बचपन के सपने

विकसित भारत जी-राम-जी से मसीरा को मिला नया आंबा भवन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर।छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ बच्चों के सुरक्षित और बेहतर भविष्य की नींव मजबूत हो रही है। इसी बदलाव की एक प्रेरक तस्वीर जिले के भैयाथान विकासखंड के ग्राम पंचायत मसीरा में देखने को मिल रही है, जहां विकसित भारत जी-राम-जी योजना के माध्यम से निर्मित नए आंगनबाडी भवन ने नौनिहालों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और सीखने के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया है। कभी कच्चे मकान में संचालित होने वाला आंगनबाड़ी केंद्र अब पक्के भवन में बच्चों की खिलखिलाहट और सीखने की गतिविधियों से गुलजार है। मसीरा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती हीरामणी राजवाड़े बताती हैं कि पहले आंगनबाड़ी केंद्र कच्चे मकान में संचालित होता था। बारिश के मौसम में छत से पानी

टपकने के कारण बच्चों को बैठाने और शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने में परेशानी होती थी। इससे अभिभावकों को भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता रहती थी। आंगनबाड़ी केंद्र की इस समस्या को दूर करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने ग्राम पंचायत के सरपंच बुधराम सिंह के समक्ष नए आंगनबाड़ी भवन की आवश्यकता रखी। ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव तैयार कर प्रशासन को भेजा गया। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के निर्देश पर प्रशासन ने त्वरित पहल करते हुए विकसित भारत जी-राम-जी योजना के तहत नए आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कराया। नए भवन के निर्माण के बाद आंगनबाड़ी केंद्र की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। अब बच्चों को बारिश, धूप और मौसम की अन्य परेशानियों से सुरक्षित वातावरण मिल रहा है। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत है और अभिभावकों का भरोसा भी बढ़ा है। केंद्र में बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा के साथ खेल-खेल में सीखने की गतिविधियां कराई जा रही हैं। साथ ही पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के साथ बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं।

चिंतन

बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना बेहद जरूरी

आतंकवाद की दुनिया में आजकल बंदूक से पहले विचारधारा पहुंचती है और इसका सबसे आसान निशाना बनते हैं कम उम्र के बच्चे और युवा। इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन नेटवर्क ने कट्टरपंथी संगठनों को युवाओं और बच्चों तक पहुंच बनाने का आसान तरीका उपलब्ध करवाया है। इसके जरिये आतंकी और कट्टरपंथी नेटवर्क कम उम्र के बच्चों और युवाओं तक पहुंच बना रहे हैं। ऐसे में बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना बेहद जरूरी हो गया है। यह नजर जासूसी के लिए नहीं, बल्कि उन्हें गलत दिशा में जाने से रोकने के लिए होनी चाहिए। आज का बच्चा इंटरनेट की ऐसी दुनिया में बड़ा हो रहा है, जहां दोस्ती, बातचीत, मनोरंजन और जानकारी के साथ-साथ गलत विचारधाराएं और संदिग्ध नेटवर्क भी मौजूद हैं। किसी अनजान व्यक्ति का संदेश, किसी ऑनलाइन ग्रुप का निमंत्रण या लगातार मिलने वाला भावनात्मक कंटेंट धीरे-धीरे बच्चे की सोच को प्रभावित कर सकता है। हाल के मामलों ने इस खतरे को और गंभीर बना दिया है। बेंगलुरु में पश्चिम बंगाल के 23 वर्षीय युवक आसफुल मलिक की गिरफ्तारी से जुड़े आरोपों में संदिग्ध ऑनलाइन संपर्क और प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीटीपी से संबंधों की जांच सामने आई है। उसके अफगानिस्तान जाने की कथित योजना और भारत में हिंसक गतिविधियों के लिए उकसाए जाने की भी जांच हो रही है। यह मामला यह समझने के लिए काफी है कि कट्टरपंथीकरण को केवल बच्चों की समस्या मानना गलत होगा। किशोरों के साथ-साथ 20-25 वर्ष के युवा भी इसके निशाने पर हो सकते हैं। पाकिस्तान आधारित हैंडलरों द्वारा भारतीय युवाओं को सोशल मीडिया के जरिए कथित तौर पर फंसाने की जांच भी इसी खतरे की दूसरी तस्वीर दिखाती है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर, बेरोजगार या किसी तरह की परेशानी से जूझ रहे युवाओं को पहले पैसों और मदद का लालच दिया जाता है। 12 से 25 हजार रुपये जैसी रकम से शुरुआत कर छोटे काम करवाए जाते हैं। पहले फोटो और वीडियो, फिर किसी स्थान की रेकी और आगे चलकर हिंसक गतिविधियों तक पहुंचाने की कोशिश की जाती है। यानी किसी युवा को आतंकी नेटवर्क का हिस्सा बनाने की प्रक्रिया अचानक नहीं होती, बल्कि धीरे-धीरे उसके भरोसे और कमजोरियों का इस्तेमाल किया जाता है। यहीं परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। माता-पिता को बच्चे के मोबाइल की हर गतिविधि पर शक करने के बजाय उसके डिजिटल व्यवहार को समझना चाहिए। निगरानी का मतलब बच्चे की निजता खत्म करना नहीं है। घर में संवाद का ऐसा वातावरण जरूरी है, जहां बच्चा अपनी उलझन, गुस्सा, असहमति और ऑनलाइन अनुभव खुलकर बता सके। स्कूल और कॉलेजों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उन्हें डिजिटल साक्षरता, फर्जी जानकारी की पहचान, ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रचार और साइबर सुरक्षा के बारे में भी जागरूक करना होगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को संदिग्ध ऑनलाइन नेटवर्क पर नजर रखनी होगी। किसी बच्चे के व्यवहार में बदलाव दिखे तो उसे अपराधी मानने के बजाय समझने और मदद करने की कोशिश हो। आज आतंक का खतरा केवल सड़क, सीमा या किसी संदिग्ध ठिकाने पर नहीं है। वह मोबाइल की स्क्रीन के दूसरी तरफ भी हो सकता है। इसलिए बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना अब विकल्प नहीं, समय की जरूरत है।

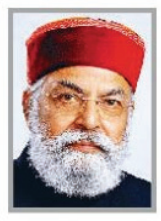

पर्यावरण

ज्ञानेन्द्र रावत

विकराल हो रहा जलवायु परिवर्तन संकट

> जलवायु परिवर्तन का संकट अब दिनोंदिन जानलेवा होता जा रहा है। दरअसल दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरा करने के लिए कोयला, तेल और गैस का जो बेतहाशा इस्तेमाल हो रहा है, उससे होने वाले उत्सर्जन से जलवायु लक्ष्यों की पूर्ति असंभव है। तापमान बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सीमित रखने के लिए 2030 तक अपने उत्सर्जन को आधा करने के लक्ष्य की दिशा में कोई कारगर पहल न होने के परिणाम दिनोंदिन और भयावह होते जा रहे हैं। फिर जलवायु परिवर्तन की विभीषिका की रोकथाम के लिए बनी वैश्विक सहमति भी बीते सालों में कमजोर पड़ी है। इसके साथ-साथ वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के स्तर में हो रही बढ़ोतरी ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया है।

जलवायु परिवर्तन का संकट अब दिनोंदिन जानलेवा होता जा रहा है। दरअसल दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरा करने के लिए कोयला, तेल और गैस का जो बेतहाशा इस्तेमाल हो रहा है, उससे होने वाले उत्सर्जन से जलवायु लक्ष्यों की पूर्ति असंभव है। तापमान बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सीमित रखने के लिए 2030 तक अपने उत्सर्जन को आधा करने के लक्ष्य की दिशा में कोई कारगर पहल न होने के परिणाम दिनोंदिन और भयावह होते जा रहे हैं। फिर जलवायु परिवर्तन की विभीषिका की रोकथाम के लिए बनी वैश्विक सहमति भी बीते सालों में कमजोर पड़ी है। इसके साथ-साथ वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के स्तर में हो रही बढ़ोतरी ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि धरती की गर्म सांसों के चलते ऋतुओं की लय बिगड़ती चली जा रही है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि जलवायु परिवर्तन से न केवल मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, उसकी सेहत पर आयेदिन खतरा बढ़ता जा रहा है, बच्चों का भविष्य छिनता जा रहा है, वह लोगों में अकेलापन बढ़ा रहा है, महिलाओं पर गंभीर असर डाल रहा है, दुनिया की बहुमूल्य धरोहरों के अस्तित्व के संकट को बढ़ा रहा है, साथ ही वह दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियों के घर ही नहीं छीन रहा है बल्कि उन पर विलुप्ति का खतरा भी मंडराने लगा है।

दुनिया के हालिया शोध और अध्ययन इसके जीते-जागते सबूत हैं। वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आने वाले समय में आशंकित विकट परिस्थितियों को लेकर चिंतायें बढ़ाती जा रही हैं। सबसे बड़ी चिंता इस बात की है और एक अध्ययन में इस बात का खुलासा भी हुआ है कि यदि तापमान वृद्धि की दर इसी तरह बढ़ती रही तो साल 2085 तक भूमि पर एक तिहाई से ज्यादा जीव आवास यानी एनिमल हैबिटेट जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव (लू) या जंगल में आग लगने जैसी चरम घटनाओं की चपेट में आ सकते हैं। यही नहीं, जलवायु परिवर्तन की रफ्तार यही बरकरार रही तो इस सदी के आखिर तक दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियां अपने प्राकृतिक आवास के बड़े हिस्से से न केवल महरूम हो जाएंगी, बल्कि बहुतेरी पौध-प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हे जाएगा। यह संकट तेजी से शून्य उत्सर्जन की दिशा में कदम उठाने से इन दुष्प्रभावों को काफी हद तक टाला जा सकता है। जर्मनी की पाट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंफैक्ट रिसर्च के शोधकर्ताओं का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और विशेष रूप से चरम घटनाओं संरक्षण योजना के संदर्भ में अभी भी बहुत कम आंका जा रहा है। यह केवल कई बरसों में तापमान का धीरे-धीरे बदलाव नहीं होगा। कई चरम घटनायें संयुक्त प्रभाव डाल सकती हैं और जैव विविधता के लिए सहकारी खतरे का निर्माण कर सकती हैं। दरअसल दुनियाभर में बढ़ता तापमान अब सिर्फ इंसान और जानवरों के लिए ही नहीं, बल्कि ऋतुओं के लिए भी खतरनाक बनता जा रहा है। धरती के वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों का स्तर आज उस मुकाम पर आ पहुंच गया है जो मानव इतिहास में कभी नहीं रहा। यदि हमने समय रहते कड़े कदम नहीं उठाये, तो दुनिया के संवेदनशील क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाना मुश्किल हो जाएगा और ऋतुचक्र जो मानव सभ्यता के फलने-फूलने का आधार

था, पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। जहां तक भारत का सवाल है, हमारी पारंपरिक पहचान उसके विविध ऋतुचक्र से रही है। पर अब यह चक्र टूट रहा है। इसका अहम कारण जलवायु परिवर्तन है। धरती की गर्म सांसों के चलते ऋतुओं की लय बिगड़ती जा रही है। मौसम का यह बदला हुआ मिजाज केवल आंकड़ों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह अब आम आदमी की जीवन शैली को भी गहरे तक प्रभावित कर बदल रहा है। मानसून का समय अनिश्चित है। बेमौसम वर्षा से फसलें बर्बाद हो रही हैं। नतीजतन कृषि घाटा बढ़ता जा रहा है। सच्चाई यह है कि जलवायु परिवर्तन ने भारत के भौगोलिक पैटर्न को ही बदल दिया है। जो घटनाएं पहले बरसों में एक आध बार होती थीं, वे अब सामान्य यानी आए दिन होने लग गई हैं। राजस्थान और लेह जैसे शुष्क और रेगिस्तानी इलाकों में अब बाढ़ आना आम बात हो गई है। पहाड़ी राज्यों और हिमालयी इलाकों में सालभर तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। इसके दुष्परिणाम स्वरूप ग्लेशियरों के पिघलने और पारिस्थितिक तंत्र के बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। निष्कर्ष यह कि अब देश में ऋतुओं का आपस में विलय हो रहा है। सर्दी, गर्मी और बारिश के बीच की स्पष्ट रेखायें अब धुंधली पड़ने लगी हैं। दरअसल तापमान बढ़ोतरी की दर यदि 1.5 डिग्री तक न रोकी गई तो इसकी सबसे ज्यादा बड़ी कीमत भारत को चुकानी होगी। भारत के लगभग 60 करोड़ लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। तापमान बढ़ने से मिट्टी तेजी से सूखने लगेगी। उस दशा में मिट्टी की नमी बरकरार रखने के लिए अधिकाधिक तादाद में भूजल निकालना होगा। परिणामस्वरूप भूजल स्रोत सूखने के कगार पर पहुंच जाएंगे। चूंकि हमारा देश गेहूं व धान का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, ऐसी स्थिति में भूजल के सूखने के चलते गेहूं और धान की फसल पर बुरा असर पड़ेगा। यही नहीं, मत्स्य पालन, बागवानी और पशुपालन पर भी असर पड़े बिना नहीं रहेगा। यहां इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि तापमान में एक फीसदी की बढ़ोतरी बादलों में सात फीसदी से ज्यादा पानी भर देगा। नतीजतन बादल फटेंगे और उस दशा में बाढ़ और भूस्खलन की भयावहता का खतरा बढ़ेगा। वैज्ञानिकों की राय है कि ग्लेशियर के पिघलने से भूस्खलन का खतरा बना रहता है। इनके सूख जाने पर गंगा जैसी सदानीरा नदियों के बरसाती नदी के रूप में तब्दील होने और आसन्न जल संकट की विकरालता से कभी भी दो चार होना पड़ सकता है। यदि बीते सालों में किए गए सर्वेक्षणों की मानें तो भारत के 85 फीसदी लोग जलवायु परिवर्तन से चिंतित हैं और 87 फीसदी चाहते हैं कि उसकी रोकथाम के शीघ्र उपाय किए जाने चाहिए। वैश्विक तापमान को अगले सौ वर्षों में डेढ डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं बढ़ने देने का लक्ष्य हासिल कर लेने के बावजूद विश्व के संवेदनशील क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचा पाना आसान नहीं होगा। ऐसी स्थिति में भारत को विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने उत्सर्जन लक्ष्य नए सिरे से तय करने की जरूरत है। जबकि क्लाइमेट ट्रांसपेरेंसी की रिपोर्ट की मानें तो 2030 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी करीब करीब दोगुने की बढ़ोतरी होने की आशंका है। फिर जलवायु परिवर्तन से वेलकम ट्रस्ट और क्लाइमेट ओपिनियन रिसर्च के अध्ययन द्वारा सेहत पर होने वाले भयावह खतरे की चेतावनी ने चिंता को और बढ़ा दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण की चिंता नहीं रह गया है, बल्कि यह अब लोगों के शरीर, उनकी सांस, उनके बच्चों की सेहत की चिंताओं तक पहुंच गया है। इसलिए जीवन शैली में बदलाव समय की महती आवश्यकता है, तभी हम जलवायु परिवर्तन के दानव से कुछ हद तक मुकाबला कर पाने में कामयाब हो सकते हैं।

(लेखक पर्यावरणविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

डिजिटल दौर

अमरनाथ सक्सेना

युवाओं के सामने

उभरता चुनाौतिया

भारत की 26% आबादी ऐसे लोगों की है जिनकी उम्र 15 से 29 साल के बीच है। भारत को इस बात पर गर्व है कि उसके पास युवा प्रतिभाओं की भरमार है। ये युवा डिजिटल तौर-तरीकों को अच्छी तरह से समझते हैं, वे महत्वाकांक्षी हैं और कुछ नया प्रयोग करने से लेकर नए क्षेत्रों में कदम रखने से वे हिचकिचाते नहीं हैं। वे हमारे देश को विकास के अगले स्तर तक ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि इन उम्मीदों के साथ उन्हें कुछ नए तरह के जोखिमों से दो-चार होना पड़ रहा है, जिसका सामना पिछली पीढ़ी ने कभी नहीं किया था। साइबर धोखाधड़ी करने वाले अपराधी ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट को हैक कर सकते हैं, और जो शॉपिंग वेबसाइटें बेहद सुरक्षित और भरोसेमंद दिखाई देती हैं, वहां भी लोग ठगी का शिकार बन सकते हैं। इससे आर्थिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है और यह एक गंभीर समस्या का रूप भी धारण कर सकती है। गौरतलब है कि जहां टेक्नोलॉजी ने भारतीय युवाओं को सशक्त बनाया है, वहीं इसकी वजह से वे गंभीर जोखिमों के प्रति असुरक्षित भी बन गए हैं। साइबर धोखाधड़ी जैसे कि पहचान चुराना, फिशिंग अटैक और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे अपराध दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। युवा लोग जो अक्सर ऑनलाइन लेन-देन करते हैं, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए निवेश करते हैं और कई पेमेंट एप्लीकेशन का इस्तेमाल करते हैं, यहां वे अक्सर साइबर अपराधों की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के अनुसार वर्ष 2021 से जून 2025 तक के बीच 65.9 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। कई युवा नौकरीपेशा लोग इस बात से अनजान होते हैं कि भारत में अब लोगों के लिए खास साइबर इंश्योरेंस पॉलिसियां उपलब्ध हैं। ये पॉलिसियां अनधिकृत डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी, पहचान चुराना, ऑनलाइन वसूली और साइबर खतरों से प्रभावित हुए डिजिटल उपकरणों को ठीक करने में होने वाले खर्चों के लिए आर्थिक मदद पेश करती हैं। जैसे-जैसे डिजिटल जीवनशैली हमारी जिंदगी का हिस्सा बनती जा रही है, वैसे-वैसे युवा पीढ़ी के लिए साइबर इंश्योरेंस भी हेल्थ इंश्योरेंस जितना जरूरी बनते जा रहा है। साइबर अपराधी युवाओं को कई तरह से ठगी का शिकार बना सकते हैं, इसलिए साइबर खतरों से बचने के लिए आपके पास साइबर इंश्योरेंस का होना बेहद जरूरी है। आज के भारतीय युवा जिस चुनौती का सामना कर रहे हैं, वह है जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां। हाल के अध्ययन पुष्टि करते हैं कि भारतीय युवाओं में डायबिटीज, कार्डियक अरेस्ट जैसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जबकि पहले ये बीमारियां अधेड़ उम्र के लोगों को होती थीं। हाल की रिपोर्टों के अनुसार लगभग 18–40 साल की उम्र के 18% लोग डायबिटीज से जूझ रहे हैं, जबकि 25% लोग प्री-डायबिटीक हैं। इससे यह बात पता लगती है कि पहले डायबिटीज को अधेड़ उम्र में होने वाला रोग माना जाता था, लेकिन अब यह विचारधारा बदल रही है। अध्ययन दर्शाते हैं कि 40 साल से कम उम्र के लोगों में कार्डियक के मामले बढ़ रहे हैं, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। इन बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए, युवाओं के लिए बेहद जरूरी है कि वे अपने लिए एक जबरदस्त हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी जरूर चुनें। और तो और युवाओं के लिए यह भी जरूरी है कि वे इसे कम से कम उम्र में लें, ताकि सेहतमंद रहते हुए वे पॉलिसी की प्रतीक्षा अवधि पूरी कर लें। इससे यह बात भी पक्की हो जाएगी कि उन्हें फटाफट कवरेज मिलेगा और जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी, तब वे इसे अच्छी तरह से इस्तेमाल कर पाएंगे। संक्षेप में, इस डिजिटल दौर में भारत के युवा दर्शाते हैं कि वे इस देश की सबसे बड़ी ताकत तो हैं, लेकिन सबसे ज्यादा साइबर खतरों का सामना भी इसी वर्ग को करना पड़ता है। जहां स्मार्टफोन और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शिक्षा, करियर और दुनिया से संपर्क बनाने के लिए नए-नए अवसर पेश कर रहे हैं, वहीं इन्हीं के जरिए भारतीय युवा साइबर धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, मानसिक स्वास्थ्य की समस्या और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे गंभीर खतरों का सामना भी कर रहे हैं। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए पता लगता है कि इन युवाओं को साइबर इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस दोनों में निवेश करना चाहिए, ताकि वे न केवल डिजिटल धोखाधड़ी से सुरक्षित रहें, बल्कि उनकी सेहत की भी सुरक्षा हो। इससे भारतीय युवा अचानक से आने वाले किसी भी साइबर खतरे से सुरक्षित रहने के साथ-साथ अपनी आकांक्षाएं भी आसानी से पूरी कर पाएंगे।

(लेखक चीफ टेक्निकल ऑफिसर-बजाज जनरल इंश्योरेंस हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं

आज के समय में लोग हर बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देना चाहते हैं। सोशल मीडिया से लेकर निजी जीवन तक अपनी बात साबित करने की होड़ लगी रहती है। लेकिन कई बार ज्यादा बोलना रिश्तों में दूरी, मन में तनाव और निर्णयों में जल्दबाजी का कारण बन जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता हमें याद दिलाता है कि मौन अक्सर वह प्रकट कर देता है, जिसे शोर कभी नहीं कर सकता है। इसका मतलब हमेशा चुप रहना नहीं, बल्कि सही समय पर रखा गया

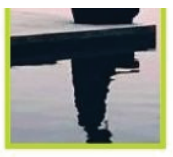

संकलित

दर्शन

मौन कई बार सबसे प्रभावशाली उत्तर बन जाता है। बहुत से लोग मानते हैं कि चुप रहना कमजोरी का संकेत है, लेकिन गीता का संदेश इससे बिल्कुल अलग है। जब व्यक्ति बिना क्रोध, अहंकार या आवेश के शांत रह पाता है, तो यह उसके आत्मसंयम को दर्शाता है। हर बात पर प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य रखना मानसिक परिपक्वता की निशानी है। ऐसा व्यक्ति परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ पाता है और जल्दबाजी में गलत निर्णय लेने से बच जाता है। मौन रखने वाला व्यक्ति भीतर से मजबूत होता है। जब मन क्रोध, चिंता या भ्रम से भरा होता है, तब सही और गलत का अंतर समझना कठिन हो जाता है। लेकिन कुछ पल का मौन मन को स्थिर कर देता है। शांत वातावरण में व्यक्ति अपने विचारों को स्पष्ट रूप से देख पाता है और बिना भावनाओं में बहकर निर्णय लेता है। यही कारण है कि जीवन के महत्वपूर्ण फैसलों में धैर्य और शांति को हमेशा महत्व दिया गया है। शांत मन से लिया गया निर्णय लंबे समय तक सही साबित होता है।

एकाग्रता ही ज्ञान की असली कुंजी

विद्यार्थी जीवन सिर्फ किताबें रटने या अच्छे अंक लाने का समय नहीं होता है। यह वह उम्र है जब सोच, आदतें, हिम्मत और व्यक्तित्व बनते हैं। आज के समय में मोबाइल, सोशल मीडिया और परीक्षा के दबाव के बीच कई स्टूडेंट्स ध्यान खो देते हैं और तनाव के शिकार हो जाते हैं। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को अपनी भीतरी ताकत पहचानने, मन को एक जगह टिकाने और मजबूत चरित्र बनाने की सीख दी थी। उनकी बातें आज भी हर विद्यार्थी के लिए

संकलित

प्रेरणा

सफलता का आसान रास्ता दिखाती हैं। स्वामी विवेकानंद मानते थे कि मन को एक जगह केंद्रित करना ही शिक्षा का सार है। वे कहते थे कि एकाग्रता की शक्ति ज्ञान के खजाने की चाबी है। आजकल पढ़ाई करते समय बार-बार फोन देखने या सोशल मीडिया घूमने से मन बिखर जाता है। अगर कुछ देर के लिए मोबाइल दूर रखकर सिर्फ एक काम पर पूरा ध्यान दिया जाए, तो आसानी विषय समझ में आता है और याद भी हो जाता है। रोज थोड़ा अभ्यास करने से मन मजबूत होता है। एकाग्रता बढ़ाने वाला विद्यार्थी किसी भी विषय को आसानी से सीख लेता है और सफलता उसके करीब आ जाती है। परीक्षा या भविष्य की चिंता अक्सर विद्यार्थियों का आत्मविश्वास घटा देती है। स्वामी विवेकानंद ने हमेशा कहा कि खुद पर विश्वास सबसे जरूरी है। डर को छोड़कर आगे बढ़ने वाला व्यक्ति मुश्किलों में भी रास्ता ढूंढ लेता है। असफलता आ जाए, तो हार मानने के बजाय फिर से कोशिश करने का साहस रखना चाहिए। जो विद्यार्थी अपनी क्षमता पर भरोसा रखता है वह दबाव में भी शांत रहता है।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर क्राइम के बढ़ते कदम रोकने होंगे

जिस गति से साइबर क्राइम बढ़ रहा है, यह आम आदमी के लिए एक मुसीबत बन गई है और लुटेरों के लिए जैसे मनोरंजन और लॉटरी लगी है। हैरानी इस बात की है कि इस मर्ज की दवा किसी के पास नहीं। किसी को जब चाहें, अपराधी बंधक बना कर सब कुछ लूट लेते हैं और उनका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। देश में बड़ी संख्या में लोग इस क्राइम के शिकार हो रहे हैं। यह अत्यंत गंभीर समस्या है और इससे आंख नहीं फेरी जा सकती। जहां डिजिटलाइजेशन के अनेक लाभ हैं, इससे कई गुणा हानियां भी हैं। द्वंद्व यह है कि इसे अपनाएं या नहीं? इस पर सभी को गंभीरता एवं शीघ्रता से समाधान निकालना होगा। आज नहीं तो कल हर कोई इसका शिकार होगा। यह एक चुनौती भी है। सभी को सचेत रहना होगा। *– मोहन लाल यादव, रायपुर*

ट्रेंड

वाजपेयी को श्रद्धांजलि

अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूँ। अद्भुत दूरदर्शिता वाले एक असाधारण राजनेता के तौर पर, उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके विचारों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने हमारे देश को मजबूत बनाया।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

सरकार का सामना

भारत के युवाओं ने जिस हिम्मत और मजबूती के साथ मोदी जी की हिंसक सरकार का सामना किया है और जवाबदेही की मांग की है, वह तारीफ के काबिल है। उन्होंने शांति, प्यार और मजाक-मजाक में अपनी आवाज उठाई।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

दिव्यास्त्र एमके3

डीजी प्रोपल्शन के स्वदेशी जेट इंजन से चलने वाले 'दिव्यास्त्र एमके3' की सफल पहली उड़ान, 100% स्वदेशी जेट-पावर्ड 'लोइटरिंग म्यूनिशन' की दिशा में एक अहम कदम है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हमारे इनोवेटर्स और इंजीनियरों को बधाई।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

युवाओं की ऊर्जा

हमारी सरकार युवाओं की ऊर्जा को नई दिशा देने के लिए लगातार काम कर रही है और उन्हें कौशल, स्वरोजगार और खेल-कूद से जोड़ रही है। इसी संकल्प के साथ, वर्ष 2027 को 'युवा वर्ष' घोषित किया है।

- **डॉ. मोहन यादव,** सीएम, मध्यप्रदेश

करंट अफेयर

आर्कटिक रूट : चीन नई चाल से बदलने चला समुद्री कारोबार

पिछले कुछ सालों में लाल सागर, स्वेज नहर और दूसरे समुद्री रास्तों पर युद्ध और तनाव ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि अगर एक समुद्री रास्ता बंद हुआ तो हजारों जहाजों का रास्ता बदल सकता है। अब चीन ने दक्षिण के जोखिम भरे रास्ते की जगह 20 दिन में यूरोप पहुंचने वाला आर्कटिक समुद्री रास्ता इस्तेमाल करने का फैसला किया है। अभी चीन से यूरोप जाने वाले बड़े कंटेनर जहाजों को आमतौर पर दक्षिण की ओर जाना पड़ता है। हिंद महासागर, अरब सागर, लाल सागर और फिर स्वेज नहर के जरिए भूमध्य सागर पार करके यूरोप पहुंचा जाता है लेकिन उत्तरी जल मार्ग में रास्ता उल्टा है। जहाज चीन के उत्तरी हिस्से से निकलकर रूस के साइबेरियाई तट के ऊपर से आर्कटिक महासागर में जाते हैं और फिर यूरोप की तरफ नीचे आते हैं यानी दुनिया के नक्शे पर चीन से यूरोप जाने के लिए जो रास्ता नीचे की तरफ जाता है, उसकी जगह चीन अब ऊपर से जाने वाला रास्ता तलाश रहा है। चीन लंबे समय से इस बात को लेकर चिंतित रहा है कि उसके व्यापार और ऊर्जा आयात का बड़ा हिस्सा कुछ समुद्री रास्तों पर निर्भर है। इसे चीन की मलक्का दुविधा से भी जोड़कर देखा जा सकता है। मलक्का एशिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक है।

ऑफ बीट

तिरंगे के साथ 13 हजार फीट से छलांग, रचा इतिहास

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले तीन भारतीय उन 65 स्काईडाइवर्स में शामिल रहे, जिन्होंने लीबिया में 13,000 फीट की ऊंचाई से एक साथ छलांग लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। सभी स्काईडाइवर्स अपने-अपने देशों के राष्ट्रीय ध्वज लेकर विमान से कूदे थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 14 अगस्त को इस उपलब्धि की आधिकारिक पुष्टि की। रिपोर्ट के मुताबिक केरल के कन्नूर निवासी जमशीर थनालोट, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर निवासी अभिषेक रावत और बिहार के पटना की ईशा राज इस अभियान में शामिल तीन भारतीय थे। यह रिकॉर्ड सात अगस्त को बनाया गया। इस दौरान करीब 38 देशों के स्काईडाइवर्स ने सैन्य विमान इल्यूशिन इल-76टीडी से छलांग लगाई। 65 स्काईडाइवर्स का एक ही विमान से अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वज के साथ एक साथ छलांग लगाना नया विश्व रिकॉर्ड है। भारतीय प्रतिभागियों ने छलांग के दौरान तिरंगा लहराया। यह प्रयास भारत के स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले किया गया, जिससे इसमें देशभक्ति का भाव भी जुड़ गया। तीनों भारतीय यूएई के स्काईडाइविंग समुदाय का हिस्सा हैं। वे पांच अगस्त को लीबिया पहुंचे थे और अंतिम प्रयास के लिए मंजूरी मिलने से पहले तीन अभ्यास छलांग लगाई थी।

1,943 करोड़ रुपए में हुआ भारत-अमेरिका के बीच समझौता

बड़ी कामयाबी...भारत को 2 एमक्यू-9बी जेट देगा अमेरिका, हिंद महासागर में छिप नहीं पाएगी चीन की हरकत, चौतरफा रहेगी नजर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत सरकार ने सोमवार को अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स इंक (जीए-एएसआई) के साथ भारतीय नौसेना के लिए दो एमक्यू-9बी एयरक्राफ्ट लीज पर लेने के लिए लगभग 1,943 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 30 महीने की अवधि के वास्ते दो एमक्यू-9बी सी गार्डियन हाई-एल्टीट्यूड लॉन्ग-एंड्योरेंस रिमोटली पाइलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम के लिए समझौते की घोषणा की। डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा, एडवांस्ड सिस्टम, स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट सेंसर और एडवांस्ड पेलोड से लैस एमक्यू-9बी सी गार्डियन हार्लेप्स , इंडियन नेवी की मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस क्षमताओं को काफी बढ़ाएगा। एमक्यू-9बी सी गार्डियन सिस्टम के शामिल होने से इंडियन नेवी की मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस क्षमताओं में काफी मजबूती आने की उम्मीद है।

इसमें आगे कहा गया, ये सिस्टम समुद्री इलाके के बड़े इलाकों में लगातार इंटेलिजेंस, सर्विलांस और टोही कवरेज देंगे, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में हो रही गतिविधियों पर नज़र रखने और जवाब देने की भारत की क्षमता मज़बूत होगी। इस बीच, पिछले हफ़्ते, मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए लॉइटर म्यूनिशन सिस्टम्स, साथ ही उससे जुड़े हथियारों और एक्सेसरीज़ की खरीद के लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और निबे प्राइवेट लिमिटेड के साथ लगभग 1,577 करोड़ रुपए का एक और कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। इसमें कहा गया, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए लॉइटर म्यूनिशन सिस्टम्स, साथ ही हथियारों और दूसरे एक्सेसरीज़ की खरीद के लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और निबे प्राइवेट लिमिटेड के साथ लगभग 1,577 करोड़ रुपए के कॉन्ट्रैक्ट साइन किए हैं।

समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए भारत लगातार नौसेना को मजबूत कर रहा | पिछले हफ्ते भारत ने 1,577 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया

समुद्र में हो रही गतिविधियों को ट्रैक करने की क्षमता

समझौते के दौरान की तस्वीर

एडवांस्ड सिस्टम, एडवांस्ड सेंसर और स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट पेलोड से लैस, रिमोट से चलने वाला एयरक्राफ्ट मैरीटाइम डोमेन के बड़े हिस्सों में लगातार इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस (आईएसआर) कवरेज देगा। ये सिस्टम नेवी को बड़े इलाकों में लगातार सर्विलांस बनाए रखने और समुद्र में हो रही गतिविधियों को ट्रैक करने और उनका आकलन करने की अपनी क्षमता में सुधार करने में मदद करेंगे। इनके डिप्लॉयमेंट से मैरीटाइम एक्टिविटी पर नजर रखने और जवाब देने की भारत की क्षमता बढ़ेगी।

एमक्यू-9बी की खासियतें

- एमक्यू-9बी एडवांस्ड सिस्टम, अत्याधुनिक सेंसर और बेहतरीन पेलोड से लैस है। कहा जाता है कि यह एयरक्राफ्ट भारतीय नौसेना की समुद्री क्षेत्र की निगरानी क्षमताओं को काफी बढ़ा देगा।
- भारतीय नौसेना हिंद महासागर में जब-तब किसी बहाने से अपने जासूसी जहाजों को भेजने वाले चीन की हरकतों पर भी पैनी नजर रखी जा सकेगी।
- एडवांस्ड सिस्टम, अत्याधुनिक सेंसर और बेहतरीन पेलोड से लैस एमक्यू-9बी सी गार्डियन, भारतीय नौसेना की समुद्री क्षेत्र की निगरानी क्षमताओं को काफी बढ़ा देगा।
- ये सिस्टम समुद्री क्षेत्र के विशाल इलाकों में लगातार इंटेलिजेंस, सर्विलांस और टोही कवरेज प्रदान करेंगे, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में गतिविधियों पर नजर रखने और उन पर प्रतिक्रिया देने की भारत की क्षमता मजबूत होगी।

खबर संक्षेप

कावेरी: सुप्रीम कोर्ट में अगले हफ्ते सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल बंटवारे को लेकर हुए विवाद पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद करने का फैसला किया है। अगली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस मामले पर ताजा आंकड़ों के साथ स्टेटस रिपोर्ट मांगी है।

आईएसआई समर्थित शहजाद भट्टी के नेटवर्क पर देशभर में बड़ी कार्रवाई

14 राज्यों के 250 से ज्यादा संदिग्ध हुए गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुरक्षा एजेंसियों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले देशभर में आईएसआई समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की है। इस आतंकी नेटवर्क से जुड़े 250 से ज्यादा संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई के बारे में जानकारी दी है। स्वतंत्रता दिवस से पहले शुरु हुई कार्रवाई में सुरक्षा एजेंसियों ने आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। देश के 14 राज्यों में में चलाए गए अभियान में 250 से ज्यादा संदिग्ध और शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सामने आई जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों ने 14 राज्यों में अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की है। देश के गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस कारवाई के बारे में जानकारी दी है।

पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस मिले | सर्वाधिक उत्तर प्रदेश से हुई गिरफ्तारियां, अभियान जारी

आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो-टॉलरेंस नीति

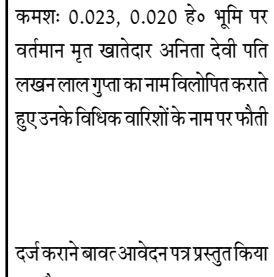

केंद्रीय मंत्री शाह ने दी जानकारी

शहजाद भट्टी

गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई को लेकर कहा- मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी गुट शहजाद भट्टी नेटवर्क को खत्म कर दिया और 200 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ्तार करके उसके खतरनाक हमलों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। भारतीय सुरक्षा बलों ने 14 राज्यों में अलग-अलग जगहों पर एक साथ ऑपरेशन चलाकर इस नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया, जो आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो-टॉलरेंस नीति का एक बेहतरीन उदाहरण है। आईएसआई से फंड पाने वाले इस गुट के पास से भारी मात्रा में सामान बरामद किया गया, जिसमें आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल होने वाले सीसीटीवी कैमरे शामिल थे। यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था।

हिंसा फैलाने की साजिश में शामिल था भट्टी

शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी मात्रा में आईईडी, हथियार, जिंदा कारतूस और ग्रेनेड बरामद किए हैं। बरामद किए गए कुछ ग्रेनेड पर पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की मार्किंग भी मिली है। नेटवर्क से जुड़े लोगों के पास से पिस्टल, कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल किए जा रहे सीसीटीवी कैमरे भी मिले। एजेंसियों के मुताबिक, यह नेटवर्क आतंकी गतिविधियों और देश में हिंसा फैलाने की साजिशों में शामिल था। एजेंसियों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आतंकी साजिशों को नाकाम किया। बता दें कि जुलाई में महाराष्ट्र एटीएस ने शहजाद भट्टी के संपर्क में आए 102 लोगों से पूछताछ की थी।

कहां कितनी कितनी हुई गिरफ्तारियां

उत्तर प्रदेश	62	कर्नाटक	3
हरियाण	52	गुजरात	3
दिल्ली	51	बिहार	3
पंजाब	44	तेलंगाना	2
राजस्थान	15	हिमाचल प्रदेश	2
महाराष्ट्र	8	जम्मू-कश्मीर	2
उत्तराखंड	5	केरल	2

शहजाद भट्टी नेटवर्क

शहजाद भट्टी नेटवर्क पाकिस्तान स्थित और आईएसआई द्वारा समर्थित आतंकी सिंडिकेट बताया गया है. यह नेटवर्क ग्रेनेड, आईईडी और पेट्रोल बम हमलों के साथ टारगेटेड किलिंग जैसी कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था। नेटवर्क स्थानीय सहयोगियों को पैसे देकर पुलिस, डिफेंस और धार्मिक स्थलों की रेकी करवाता था। जासूसी के लिए सीसीटीवी कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाता था।

अब तक हुई कार्रवाई

- दिल्ली और कर्नाटक में नई एफआईआर: कार्रवाई के दौरान दिल्ली और कर्नाटक में नई एफआईआर भी दर्ज की गई हैं।
- अब तक 80 से ज्यादा एफआईआर: शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ देशभर में अब तक 80 से अधिक एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं।
- 250 से ज्यादा गिरफ्तारियां: इस नेटवर्क के मामले में अब तक 250 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।
- कई गंभीर धाराओं में केस: आरोपियों के खिलाफ यूएपीए, बीएनएस, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।
- पाकिस्तान कनेक्शन के सबूत: बरामद कुछ ग्रेनेड पर पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की मार्किंग मिली है, जो नेटवर्क के सीमा-पार कनेक्शन की जांच में अहम सबूत माना जा रहा है।
- सुरक्षा एजेंसियों की नजर: 15 अगस्त के आसपास एसबीएन से जुड़े संदिग्धों और उनके स्थानीय नेटवर्क पर सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी और कार्रवाई लगातार जारी है।

भारत-नेपाल सैन्य रिश्ते होंगे मजबूत

आर्मी चीफ धीरज सेठ को मिली नेपाली सेना की 'मानद रैंक'

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रदान किया रैंक

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ को सोमवार को नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने नेपाली सेना के मानद जनरल की रैंक से सम्मानित किया। शीतल निवास में आयोजित अलंकरण समारोह में उन्हें यह मानद रैंक प्रदान की गई। जनरल सेठ रविवार को चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नेपाल पहुंचे थे। वह अपने नेपाली समकक्ष जनरल अशोक राज सिग्देल के निमंत्रण पर नेपाल गए हैं। जनरल सेठ ने सोमवार को नेपाली सेना मुख्यालय में जनरल सिग्देल से भी मुलाकात की। दोनों सैन्य प्रमुखों ने आपसी हित के मुद्दों और द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। भारतीय दूतावास ने कहा कि भारतीय सेना प्रमुख की नेपाल यात्रा दोनों देशों के बीच साझा मूल्यों, आपसी विश्वास और लंबे समय से चले आ रहे सेना-सेना संबंधों पर आधारित अद्वितीय और समय की कसौटी पर खरे उतरे रक्षा संबंधों की पुष्टि करती है। जनरल सेठ ने भारतीय दूतावास में राजदूत नवीन श्रीवास्तव से भी मुलाकात की। दोनों ने नई दिल्ली और काठमांडू के बीच व्यापक संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जनरल सेठ ने सोमवार को नेपाली सेना को कुछ सैन्य और चिकित्सा उपकरण भी सौंपे।

मानद रैंक देने की परंपरा

राष्ट्रपति पौडेल के सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, समारोह में नेपाल के उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव, विदेश मंत्री शिशिर खनाल, नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव और नेपाली सेना तथा नेपाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मानद जनरल की रैंक देने की यह परंपरा 1950 में शुरू हुई थी। इसके तहत नेपाल और भारत एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को मानद जनरल की रैंक प्रदान करते हैं।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अनिता देवी (मृत) लखन लाल गुप्ता आ. विश्वनाथ गुप्ता वगैरह, जाति तेली, निवासी मायापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा ग्राम रनपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 581/6. 623/10 रकबा कमशः 0.023, 0.020 हे० भूमि पर वर्तमान मृत खातेदार अनिता देवी पति लखन लाल गुप्ता का नाम विलोपित कराते हुए उनके विधिक वारिशों के नाम पर फौती दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 31/8/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 18/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

चीता कैंप में ईद मिलादुन्नबी के जुलूस की तैयारी जोरों पर

मुंबई: जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मौके पर चीता कैंप ट्रॉम्बे इलाके में प्रस्तावित जुलूस और अन्य इंतजामों के सिलसिले में कल ट्रॉम्बे पुलिस स्टेशन में इलाके की विभिन्न मस्जिदों के ट्रस्टियों और जिम्मेदारों के साथ एक अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में ट्रॉम्बे पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर लोकेश महादेव कंसे ने जुलूस के दौरान अमन-ओ-अमान, अनुशासन और जन सुरक्षा को सुनिश्चित करने के बारे में ट्रस्टियों से विस्तार से चर्चा की। गौरतलब है कि चीता कैंप में ईद मिलादुन्नबी के जुलूस की नींव स्थानीय नेता मोहम्मद हारून संजर (मरहूम) ने रखी थी, जिसके बाद हर साल यहाँ लगातार बड़ी शान-ओ-शौकत से जुलूस निकाला जा रहा है। बैठक के दौरान सीनियर इंस्पेक्टर कंसे ने कहा कि धार्मिक त्योहारों और जुलूसों के दौरान एहतियाती कदम उठाना बेहद जरूरी है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने खास तौर पर मुहर्रम के दौरान मुंबई में हुई एक बड़ी संभावित दुर्घटना का हवाला देते हुए कहा कि आगे ऐसी स्थिति पैदा न हो, इसलिए पहले से ही उचित सावधानी और इंतजाम जरूरी हैं। उन्होंने मस्जिदों के ट्रस्टियों और जुलूस के आयोजकों पर जोर दिया कि जुलूस के दौरान अनुशासन, ट्रैफिक व्यवस्था, शामिल लोगों की सुरक्षा और खाने-पीने की चीजों के वितरण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

दो से तीन साल में पूरा होगा काम

बैसारन घाटी में आतंकी हमला हुआ था, अब बन रही सड़क

एजेंसी ▶▶ जम्मू

पहलगाम की बैसारन घाटी अपनी सुंदरता के लिए दुनियाभर में फेमस है। यहां 2025 में आतंकी हमला भी हुआ था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी। एक बार फिर इस घाटी से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। बैसारन इलाके, जिसे अक्सर इस क्षेत्र का मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है को नया रूप दिया जा रहा है। इस खूबसूरत टूरिस्ट स्पॉट तक पहुंचने के लिए अब एक मोटर-योग्य सड़क बनाई जा रही है। 6.09 करोड़ की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना की आधारशिला पहलगाम के विधायक अल्ताफ अहमद वानी ने रखी। बैसारन पहलगाम से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित है; नई सड़क इसे सर्किट रोड से जोड़ेगी। इस परियोजना को नाबार्ड की फंडिंग से सड़क और भवन विभाग, पहलगाम द्वारा पूरा किया जाएगा। अधिकारियों का अनुमान है कि काम पूरा होने में दो से तीन साल लगेंगे। अभी, पर्यटकों को इस घास के मैदान तक पहुंचने के लिए या तो ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर लगभग 4 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है या टट्टू लेने पड़ते हैं।

परियोजना के लिए 400 करोड़ रुपए का कैटेलिटिक फंड निर्धारित

विझिंजम पोर्ट से खुलेगा केरल के वैश्विक व्यापार का नया द्वार

एजेंसी ▶▶ तिरुअनंतपुरम

फाइल फोटो

केरल का विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह, जो कि भारत का पहला गहरे पानी का कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट है, आज मंगलवार से एक नए दौर में प्रवेश करने जा रहा है। बंदरगाह पर पूर्ण स्तर के निर्यात-आयात (इग्जिम) संचालन औपचारिक रूप से शुरू होंगे, जिसे केरल की अर्थव्यवस्था और राज्य को एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स तथा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन सुबह 10:45 बजे पहले निर्यात कंटेनर को रवाना करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अब तक मुख्य रूप से ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में विकसित किए गए विझिंजम पोर्ट का यह बदलाव उसे एक पूर्ण वाणिज्यिक व्यापार द्वार में बदल देगा इस योजना के तहत व्यापक विझिंजम मैरीटाइम इकोनॉमिक रीजन विकसित किया जाएगा, जिसमें 8 औद्योगिक क्लस्टर, 3 नए शहर और केरल की 600 किलोमीटर लंबी तटीय रेखा को आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में जोड़ा जाएगा। परियोजना के लिए 400 करोड़ का कैटेलिटिक फंड निर्धारित है। यह राशि बंदरगाह एवं कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स विकास, औद्योगिक क्लस्टर, नए शहरों के विकास, कार्यक्रम प्रबंधन और क्षमता निर्माण से जुड़ी 14 उप-योजनाओं पर खर्च की जाएगी।

शपथ पत्र (नाबालिग पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मै मो. हसन (पिता का नाम) पिता मो. रमजान, उम्र लगभग 48 वर्ष, जाति मुसलमान, निवासी वार्ड क्रमांक-04 मियापारा, ग्राम पलमा, थाना भैयाथान, तहसील भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) एतद् द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ:-

मैं ग्राम पलमा, थाना भैयाथान, तहसील भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूँ। मैं अपनी नाबालिग पुत्री का नाम परजिना PARJINA पिता का नाम मोहम्मद हसन MOHAMMAD HASSAN जन्मतिथि 02/08/2008 को बदलवाकर पुत्री का नाम फरजीना खान FARJINA KHAN पिता का नाम मो. हसन MD HASSAN जन्मतिथि 17/04/2010 करवाना चाहता हूँ। मैं अपनी पुत्री का नाम बदलकर यदि कोई भी गैर कानूनी काम करता हूँ तो उसके लिये मैं स्वयं जिम्मेदार रहूँगा। मेरी पत्नी फातमा खान (पत्नी का नाम) को हमारे नाबालिग पुत्री का नाम बदलने पर कोई आपत्ति नहीं है। मैं यह शपथपत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता
मो. हसन

न्यायलय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनी बाई आ० स्व० अमर साय निवासी शितला वार्ड, थाना अ०पुर तहसील ने कराया है कि आवेदक सोनी बाई की (सास सोनगो) आ० स्व राम दयाल की दिनांक 19/03/1973 को स्थान शीतला वार्ड अ०पुर में हुई हैं।

आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/8/2006 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुदा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायलय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकुमार आ० स्व० विक्की निवासी बाबूपारा थाना अ०पुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के राजकुमार दादी आ० स्व० टुईची बाई की दिनांक 23/4/2013 को स्थान अ०पुर में हुई है।

आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18/8/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

पुर्वित सिंह मरावी पिता संजय सिंह मरावी जाती गोड़ ग्राम भवराही पोस्ट-गंगोटी तहसील भैयाथान थाना सूरजपुर जिला सूरजपुर (छःग) का मूल निवासी हू।जिसमें आधार कार्ड क्रमांक 348888131943 है जिसमें त्रुटि पूर्ण नाम पुर्वित सिंह मरावी Purvith Singh Maravi एवं जन्म तिथि 06/01/2021 अंकित है।जबकि सही नाम पुर्वित सिंह मरावी PURVIT SINGH MARAVI पिता संजय सिंह मरावी है एवं जन्म तिथि 06/01/2021 है व मेरे जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है जो सत्य एवं सही है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुभाष चन्द्र अग्रवाल आ. मांगे राम अग्रवाल, निवासी अग्रसेन चौक, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा 4608 / 13 रकबा 0.004 हे. भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश व्यपवर्तित भूमि अंकित हो गया है जबकि उक्त भूमि का व्यपवर्तन नही हुआ है। आवेदक के द्वारा उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में हुये त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय, अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 11/09/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 17/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

आम जनता ग्राम भैयाथान प०ह०नं0-13 रा०नि० भैयाथान तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक सचिन कुमार गोयल आ० गोपाल कृष्ण गोयल जाति अग्रवाल धर्म हिन्दु निवासी ग्राम भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ. ग.) के द्वारा श्री जी. के अग्रवाल अधिवक्ता के द्वारा छ.ग.साहुकार अधिनियम 1934 के तहत रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र के नवीनिकरण किये जाने हेतु पंजीयन क्रमांक 039/4-121/2019-20 वैधता विध 31.03.2025 है। उक्त पंजीयन का 5 वर्ष के लिए नवीनीकरण करवाने हेतु आवेदन पत्र मय के साथ निर्धारित शुल्क 5000/- पांच हजार रुपए का चालान दिनांक 19.11.2025 को जमा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है। अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। अतः जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को आपत्ति हो तो वह अपना आक्षेप व अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता /आममुख्त्यार के माध्यम से दिनांक 21/08/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। अतः आज दिनांक 31/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-20

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका मनोज सिन्हा आ०/पति स्व० शिवपूजन प्रसाद जाति निवासी करीब चांदनी चौक के पास मायापुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला - मायापुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1615, 1616/5, 1745, 1746 रकबा 1306.80, 7840.8, 11325.6, 5227.2 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिव्वत्ता के माध्यम से दिनांक-25/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10/08/2026 को मेरे हस्तादार एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गान्झा राम आ० लोरगोद, जाति पहाड़ी कोरवा, निवासी ग्राम घटगांव, तहसील राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम रनपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 668 रकबा 0.595 हे0 भूमि मकान निर्माण एवं निजी कार्य हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका राजमणि सिंह आ० स्व० देवशरण राम जाति गोंड, निवासी ग्राम भिट्ठीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) को रू0 15,00,000/- (पन्द्रह लाख रुपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन माननीय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 31/08/2026 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 18/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

बस्तर में कनेक्टीविटी बढ़ाने विशेष जोर, सड़कों और पुल-पुलियों के काम दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश

सभी ठेकेदारों को 10 सितम्बर तक कार्य प्रगति दिखाने कहा, काम नहीं करने वालों को ब्लैकलिस्ट कर अनुबंध निरस्त करने के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर. - राज्य शासन बस्तर में सड़क कनेक्टीविटी के विस्तार पर विशेष जोर दे रही है। बस्तर संभाग के सभी जिलों में निमार्णाधीन सड़कों और पुल-पुलियों की प्रगति की लगातार समीक्षा के साथ ही इन्हें तेजी से पूर्ण करने कार्यों की गहन मॉनिटरिंग की जा रही है। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ बस्तर परिक्षेत्र के अभियंताओं और ठेकेदारों की बैठक लेकर निमार्णाधीन सड़कों, पुल-पुलियों और भवनों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों में भारत सरकार के आर.आर.पी. और आर.सी.पी. एल. डब्लू. ई.ए. के अंतर्गत प्रगतिरत सड़कों और पुल-पुलियों को आगामी दिसम्बर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने नवा रायपुर में पीडब्लूडी मुख्यालय ह्यनिर्माण भवनह्ल में आयोजित बैठक में अधिकारियों को सभी कार्यस्थलों का नियमित निरीक्षण कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने हर 15 दिनों में प्रगति की समीक्षा करने को कहा। उन्होंने बैठक में ठेकेदारों से चर्चा कर कार्यस्थलों में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने इनके त्वरित निराकरण के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। श्री बंसल ने लोक निर्माण विभाग के बस्तर परिक्षेत्र के सभी 9 संभागों में काम कर रहे ठेकेदारों को 10 सितम्बर तक कार्य प्रगति दिखाने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने वालों को ब्लैकलिस्ट कर उनके अनुबंध निरस्त करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में सभी मैदानी अधिकारियों

को सप्ताह में दो-तीन दिन कार्यस्थलों का दौरा कर निर्माण सामग्री और निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों से समन्वय कर टाइमलाइन के अनुसार कार्यों की प्रगति भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जांच कर नियमित भुगतान भी करने को कहा। श्री बंसल ने अनुबंध के अनुसार कार्यक्षेत्रों में सभी ठेकेदारों से प्लांट व मशीनरी लगवाने को कहा। उन्होंने प्लांट व मशीनरी नहीं लगाने वाले ठेकेदारों पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। विभागीय सचिव ने बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 के प्राथमिकता वाले कार्यों के प्राक्कलन सबमिशन की जानकारी ली। उन्होंने द्रुतगामी सड़कों तथा पहुंचविहीन गांवों को जोड़ने के लिए प्रस्तावित सड़कों व पुलों के प्राक्कलन की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने स्वीकृत नए कार्यों में भू-अर्जन और वन-व्यपवर्तन के लंबित मामलों की जानकारी शासन को भेजने के निर्देश दिए, ताकि इनके निराकरण की कार्यवाही उच्च स्तर से की जा सके। उन्होंने निर्माण कार्यों, आयोजनों एवं कार्यक्रमों के बिलों का भुगतान तत्परता से एक माह के भीतर सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी संभागों में अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन, विभागीय जांच तथा न्यायालयीन मामलों के निपटारे की प्रगति की भी समीक्षा की। श्री बंसल ने बरसात के बाद पेच रिपेयर के कार्यों को युद्धस्तर पर शुरू करने 30 सितम्बर तक एजेंसियों के निर्धारिण के लिए निविदा की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुचारू आवागमन के लिए सड़कों के गड्ढों को तत्काल भरने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों के माध्यम से परफॉमेंस गारंटी वाली सड़कों की भी तत्परता से मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्षा ऋतु की समाप्ति के बाद बाढ़ एवं अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुल-पुलियों की स्थायी मरम्मत के काम सर्वोच्च प्राथमिकता से करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सेवा सेतु तथा लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों को भी समय-सीमा में सक्रियता से निराकृत करने के निर्देश दिए।

कांवड़ यात्रा में महिला पर एसिड अटैक, चेहरा जला :2 बच्चे भी झुलसे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग- नंदिनी थाना क्षेत्र में कावड़ यात्रा में शामिल महिला और उसके दो बच्चों पर मोटरसाइकिल सवार आरोपी ने एसिड फेंक दिया। हमले में महिला का चेहरा और गला झुलस गया, जबकि दोनों बच्चे भी घायल हुए हैं। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी महेश दास बैरागी को गिरफ्तार कर लिया है। नंदिनी थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार आरोपी ने कावड़ यात्रा में निकली महिला और उसके दो बच्चों पर एसिड फेंककर घायल कर

दिया। घटना के बाद घायल महिला और बच्चों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज जारी है। पुलिस ने घटना के बाद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने राज्य स्तरीय टेबल टॉप एक्सरसाइज हुई आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, - छत्तीसगढ़ में बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने तथा विभिन्न विभागों और संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में राज्य स्तरीय टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की गई। एक्सरसाइज के दौरान बाढ़ प्रबंधन नीतियों, एवं बाढ़ के दौरान प्रभावितों को त्वरित सहायता पहुंचाना, मौसम विज्ञान और जल संसाधन विभाग का आवश्यक समन्वय, बाढ़ की स्थिति में निगरानी, चेतावनी एवं सार्वजनिक सूचना प्रणाली के माध्यम से डाऊन स्ट्रीन के गांवों को पहले से सचेत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी तरह से बाढ़ आपदा के समय एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, नगर सेना एवं अन्य बचाव दलों में आपसी समन्वय पर चर्चा हुई। बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत कैंप की व्यवस्था एवं प्रभावितों के लिए जरूरी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के लिए मेडिकल टीम की तैयारियों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी साझा की गई। बैठक में सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, श्रीमती शम्मी आबिदी ने कहा कि आपदा की स्थिति में फील्ड स्तर पर कार्य करने वाले सभी कर्मियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों की स्पष्ट जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विभागों के बीच समन्वय में किसी भी प्रकार की कमी या गैप को समय रहते दूर किया जाए तथा प्रत्येक विभाग अपनी भूमिका को स्पष्ट रूप से समझते हुए प्रभावी ढंग से कार्य कर सके, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने आपदा के दौरान त्वरित निर्णय, संसाधनों के बेहतर उपयोग और सभी संबंधित विभागों के बीच मजबूत समन्वय पर विशेष जोर दिया। एनडीआरएफ के अधिकारियों ने बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश एवं जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया गया। अभ्यास के दौरान बाढ़ की संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पूर्व चेतावनी एवं सूचना प्रणाली, राज्य बाढ़ कार्य योजना, बाढ़ प्रबंधन, राहत एवं बचाव की रणनीति तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग और केंद्रीय जल आयोग से प्राप्त मौसम एवं जल स्तर संबंधी पूवार्नुमानों के आधार पर समय पर चेतावनी जारी करने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के विषय पर भी विचार-विमर्श हुआ।

अघोरपीठ गम्हरिया आश्रम में 23 अगस्त को लगेगा निःशुल्क मिर्गी चिकित्सा शिविर, वर्षों से गरीब एवं आदिवासी क्षेत्र के लोगों की सेवा में जुटा बाबा भगवान राम ट्रस्ट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर - जिले के ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए कार्य कर रहे बाबा भगवान राम ट्रस्ट, जशपुर द्वारा अघोरपीठ, वामदेव नगर, गम्हरिया आश्रम में आगामी 23 अगस्त 2026, रविवार को निःशुल्क मिर्गी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में मिर्गी रोग से पीड़ित मरीजों को फकीरी एवं आयुर्वेदिक पद्धति से तैयार औषधियां उपलब्ध कर उपचार किया जाएगा। शिविर का आयोजन रविवार को सुबह से सूर्योदय से शाम 4 बजे तक किया जाएगा। ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि संस्था लगातार कई वर्षों से गरीब, जरूरतमंद और आदिवासी क्षेत्र के लोगों की सेवा में सक्रिय है। विशेष तिथियों एवं अवसरों पर मिर्गी रोग से संबंधित निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाते हैं, जिनमें जशपुर जिले के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी मरीज पहुंचते हैं।

दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचते हैं मरीज

अघोरपीठ गम्हरिया आश्रम में आयोजित होने वाले इन शिविरों में मरीजों के लिए निःशुल्क चिकित्सा सुविधा के साथ आश्रम द्वारा निर्मित फकीरी एवं आयुर्वेदिक औषधियों के माध्यम से उपचार की व्यवस्था की जाती है। ट्रस्ट के अनुसार, दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले कई मरीज नियमित रूप से शिविर में पहुंचकर

उपचार प्राप्त कर रहे हैं। मरीजों एवं उनके परिजनों द्वारा उपचार से लाभ मिलने की बात भी बताई जाती है। शिविर के आयोजन का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक चिकित्सा सुविधा पहुंचाना और ऐसे मरीजों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है, जिन्हें इलाज के लिए दूर शहरों तक जाना कठिन होता है।

शनिवार को पहुंचने की अपील

आयोजकों ने बताया कि रविवार को सुबह 4 बजे से सूर्योदय तक ही दवा दिए जाने की व्यवस्था है। इसलिए मरीजों को 22 अगस्त, शनिवार को ही आश्रम पहुंचने की अपील की गई है। बाहर से आने वाले मरीजों के लिए ट्रस्ट की ओर से रात्रि विश्राम एवं भोजन की निःशुल्क व्यवस्था भी की जाएगी। मरीजों से अपने साथ एक सहयोगी को लाने के लिए कहा गया है। साथ ही आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि यह दवा गर्भवती महिलाओं के लिए नहीं है।

जशपुर के साथ कई राज्यों से पहुंचने की सुविधा

अघोरपीठ गम्हरिया आश्रम जशपुर पहुंचने के लिए आयोजकों ने विभिन्न मार्गों की जानकारी भी दी है। अंबिकापुर से जशपुर की दूरी करीब 140 किलोमीटर, बिलासपुर से करीब 356 किलोमीटर, रायपुर से करीब 480 किलोमीटर, रांची से करीब 150 किलोमीटर तथा झारसुगुड़ा से जशपुर की दूरी करीब 160 किलोमीटर बताई गई है।

निःशुल्क शिविर से जरूरतमंदों को राहत

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्र में लंबे समय से सेवा कार्य कर रहे बाबा भगवान राम ट्रस्ट की इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिल रही है।

तिरंगे की वर्षा, बच्चों का सेल्फी पॉइंट और डिजिटल प्रदर्शनी से खास बना स्वतंत्रता दिवस

शासकीय प्राथमिक शाला पैकू में देशभक्ति, विज्ञान, इतिहास और जनसहभागिता का दिखा अनूठा संगम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर, - शासकीय प्राथमिक शाला पैकू में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न होकर बच्चों की प्रतिभा, वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और देशप्रेम का जीवंत उत्सव बन गया। विद्यालय द्वारा प्रस्तावित सभी विशेष गतिविधियों में बच्चों, अभिभावकों और ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर आकर्षक नृत्य एवं भावपूर्ण प्रस्तुति दी। बच्चों ने तिरंगा लेकर भारत की एकता, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और

देश के प्रति अपने प्रेम को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। खुले मैदान में हुए इस प्रदर्शन ने उपस्थित लोगों में देशभक्ति की नई ऊर्जा भर दी। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यालय में बच्चों और शिक्षकों द्वारा तैयार किया गया चलता-फिरता वाटर साइकिल मॉडल रहा। इसमें सूर्य की गर्मी, वाष्पीकरण, संघनन, बादल निर्माण, वर्षा और जल-संग्रहण की प्रक्रिया को जीवंत रूप में दिखाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर काले बादल से केसरिया, सफेद और हरे रंग की पानी की बूँदें गिरती दिखाई गईं। बच्चों ने स्वयं अभिभावकों और ग्रामवासियों को मॉडल की कार्यप्रणाली समझाई। ग्रामीणों ने बच्चों की प्रस्तुति को ध्यानपूर्वक सुना और उनके आत्मविश्वास तथा वैज्ञानिक समझ की सराहना की।

त्यौहारी सीजन में मिलावटखोरी एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों के विरुद्ध खाद्य एवं औषधि प्रशासन की सख्ती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर - रक्षाबंधन सहित आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए छत्तीसगढ़ में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा ह्लबने खाबो-बने रहिबो 2.0ह्ल सात दिवसीय विशेष जन-जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के प्रथम दिवस 17 अगस्त को प्रदेश के विभिन्न जिलों में मिठाई दुकानों, होटल-रेस्टोरेंट, कन्फेक्शनरी, थोक विक्रेताओं, खाद्य निर्माण इकाइयों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का व्यापक निरीक्षण एवं नमूना संकलन किया गया। अभियान का उद्देश्य केवल मिलावटखोरी के विरुद्ध कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य निर्माण, उचित लेबलिंग, व्यक्तिगत स्वच्छता, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण तथा उपभोक्ताओं को जागरूक करना भी है।

महासमुंद में एनालॉग पनीर के विरुद्ध देर रात बड़ी कार्रवाई

महासमुंद जिले के भलेसर रोड स्थित वैद्य फूड प्रोडक्ट फैक्टरी में एनालॉग पनीर निर्माण संबंधी शिकायत पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन, राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा देर रात छापामार कार्रवाई की गई। लगभग तीन घंटे चली कार्रवाई में परिसर की गहन जांच की गई तथा मौके पर उपलब्ध लगभग 300 किलोग्राम तैयार पनीर को कोल्ड स्टोरेज में रखकर सील किया गया। पनीर के नमूने की जांच की कार्रवाई नियमानुसार आगे की जाएगी तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई निर्धारित होगी।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापक नमूना संकलन एवं निरीक्षण

रायपुर के डूमरतराई होलसेल मार्केट से सोन केक, गुलाब जामुन एवं रसगुल्ला के 03 विधिक नमूने लिए गए।

दुर्ग में कन्फेक्शनरी दुकानों का निरीक्षण कर 02 विधिक एवं 02 निगरानी नमूने संकलित किए गए।

बालोद में पनीर, खोवा एवं बूंदी लड्डू के 03 विधिक नमूने लिए गए तथा प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई के निर्देश दिए गए।

बिलासपुर में मिथ्याछाप पाए गए बर्फी के 23 कार्टून, लगभग 102 किलोग्राम माल को सीज कर नमूना जांच हेतु भेजा गया। अन्य प्रतिष्ठान से खस्ता मिठाई का नमूना

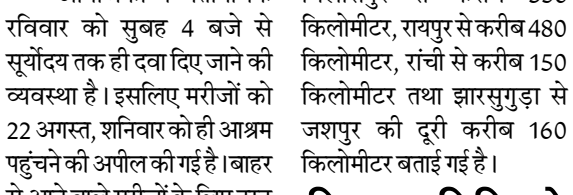

भी लिया गया।

कोरबा में मैसूर पाक एवं नारियल लड्डू के विधिक नमूने लिए गए तथा लगभग 10,000 मूल्य के मिथ्याछाप खाद्य पदार्थ जब्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखे गए।

रायगढ़ में खोवा, कलाकंद एवं पैक्ड नारियल लड्डू के नमूने लिए गए। बिना लेबल खाद्य पदार्थों के विक्रय एवं खरीद पर भी आवश्यक निर्देश दिए गए।

कांकेर में पेड़ा का 01 विधिक तथा गठिया एवं बूंदी के 02 निगरानी नमूने लिए गए।

राजनांदगांव में पनीर का विधिक तथा दही, पेड़ा एवं लड्डू के निगरानी नमूने लिए गए।

कबीरधाम में खोया बर्फी एवं पनीर के विधिक नमूने संकलित किए गए।

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में कन्फेक्शनरी मिठाई, घी, चॉकलेट/फ्रूट जैली एवं समोसा सहित कुल 04 विधिक नमूने लिए गए।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में कन्फेक्शनरी का विधिक नमूना तथा सीएम पोर्टल से प्राप्त शिकायत के आधार पर 01 विधिक एवं 01 निगरानी नमूना लिया गया।

सुकमा, बस्तर, सरगुजा एवं सूरजपुर सहित अन्य जिलों में होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में विभिन्न मिठाई दुकानों, होटल एवं फल दुकानों का निरीक्षण कर मिलावटी अथवा भ्रामक खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय से बचने की सख्त हिदायत दी गई।

अखबारी कागज एवं प्रतिबंधित रंगों के उपयोग पर चेतावनी

अभियान के दौरान खाद्य पदार्थों को रखने अथवा पैक करने में अखबारी कागज का उपयोग नहीं करने तथा खाद्य पदार्थों में प्रतिबंधित रंगों का प्रयोग नहीं करने के संबंध में व्यापारियों एवं खाद्य व्यवसाय संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए।

स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा पर विशेष जोर

अभियान के दौरान सभी खाद्य प्रतिष्ठानों को परिसर की साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता, वैद्य खाद्य लाइसेंस/पंजीयन रखने, कालातीत खाद्य पदार्थों का विक्रय/भंडारण नहीं करने तथा खाद्य पदार्थों को संदूषण से बचाने के निर्देश दिए गए। संदिग्ध मिलावट, अमानकता, मिथ्याछाप अथवा अस्वच्छ परिस्थितियां पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं संबंधित नियमों /विनियमों के अंतर्गत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

उपभोक्ताओं से अपील

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि त्यौहारी सीजन में मिठाई एवं अन्य खाद्य पदार्थ खरीदते समय निर्माण तिथि, उपयोग की अवधि, लेबल, पैकेजिंग एवं ऋरर अक लाइसेंस/पंजीयन की जानकारी अवश्य देखें। संदिग्ध गुणवत्ता, मिलावट या खाद्य सुरक्षा संबंधी किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल खाद्य एवं औषधि प्रशासन को दें। 'बने खाबो-बने रहिबो 2.0' अभियान के माध्यम से विभाग का संदेश स्पष्ट है त्योहारों की खुशियां सुरक्षित और शुद्ध खाद्य पदार्थों के साथ ही मनाएं।

एसपी ने पुलिस अधिकारी व जवानों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

बोले-नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में निभाएं सक्रिय भूमिका

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को यहां पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ राष्ट्रीय नशा विरोधी शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने और युवाओं को नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने का भी प्रण किया। जिला मुख्यालय के अलावे समस्त थाना-चौकी में भी वहां के प्रभारियों के द्वारा अधिनस्थों को नशामुक्ति की राष्ट्रीय शपथ दिलाया है।पुलिस अधीक्षक ने इस अवसर पर कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने जोर दिया कि नशे के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई के साथ-साथ जन जागरूकता और सामूहिक सहभागिता भी अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्य न्यायाधिपति ने किया न्यायिक आवासीय परिसर एवं न्यायाधीश बंगले का वर्चुअल उद्घाटन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा द्वारा जिला न्यायालय सूरजपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेतु नवनिर्मित बंगला एवं न्यायिक अधिकारियों के लिए नवनिर्मित आवासीय परिसर का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा के साथ सरगुजा जिले के पोर्टफोलियो जज न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू एवं जिले के पोर्टफोलियो जज न्यायमूर्ति राधाकिशन अग्रवाल वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश थॉमस एक्का सहित जिले के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अधिवक्तागण एवं जिला न्यायालय के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीपति श्री सिन्हा ने नवनिर्मित आवासीय भवनों के लिए न्यायिक अधिकारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारियों के लिए बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होने से उनके कार्य-परिवेश में सुविधा एवं सकारात्मकता आएगी तथा न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी।

नवनिर्मित आवासीय परिसर एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आवासीय बंगले के उद्घाटन से जिला न्यायालय के न्यायिक अधिकारियों को बेहतर एवं सुविधायुक्त आवासीय सुविधा प्राप्त होगी। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश थॉमस एक्का ने मुख्य न्यायाधिपति एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

रेडिया नदी में बहता मिला युवक का शव, हत्या या हादसा, जांच में जुटी पुलिस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहरपुर। क्षेत्र में लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बीच मंगलवार को रेडिया नदी में एक युवक का शव बहता मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान रामसुभग पण्डो ग्राम कछवारी के रूप में हुई है, जो बलियारी के पास घर बनाकर मजदूरी करता था। ग्रामीणों के अनुसार सुबह बलियारी के समीप उफनाई रेडिया नदी में एक शव बहता दिखाई दिया। तेज बहाव के कारण शव जुडवनिया तक पहुंच गया, जहां ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर उसे नदी से बाहर निकाला। हालांकि तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही महोरसोप पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू की।

बारिश से उफान पर है रेडिया नदी

चांदनी बिहरपुर क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार तेज बारिश हो रही है। पहाड़ी इलाकों से पानी आने के कारण रेडिया नदी का जलस्तर बढ़ गया है और कई स्थानों पर तेज बहाव बना हुआ है। ऐसे हालात में यह सवाल भी उठ रहा है कि कहीं युवक बारिश के दौरान नदी पार करते समय बह तो नहीं गया। घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रामसुभग बलियारी में रहकर मजदूरी करता था और नियमित रूप से वहीं रहता था। ऐसे में उसका शव नदी में कैसे पहुंचा, यह सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है। पुलिस हत्या की संभावना सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

पीएम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगी स्थिति

महोरसोप चौकी प्रभारी कमलेश पाठक ने बताया कि रेडिया नदी में शव मिलने की सूचना पर मर्ग कायम कर लिया गया है। पुलिस टीम घटनास्थल पर जांच कर रही है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मौत डूबने से हुई या किसी अन्य कारण से। फिलहाल पुलिस हर एंगल से विवेचना में जुटी हुई है।

केंद्र सरकार के श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ भा.म. संघ ने किया प्रदर्शन, निकली रैली, सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। केंद्र सरकार के श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ बीएमएस यूनियन के आह्वान पर कोल फेडरेशन के राष्ट्रीय महामंत्री सुजीत सिंह के नेतृत्व में देशव्यापी आंदोलन के तहत विभिन्न मांगों को लेकर यहां जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपा गया। यहां बस स्टैंड में धरना प्रदर्शन कर श्रम कानून में श्रमिक

विरोधी प्रावधानों को हटाने, स्कीम कर्मी के मानदेय में वृद्धि, ग्रेज्युटी की सीमा बढ़ाकर चार लाख करने, संविदा कर्मचारियों को समान काम का समान वेतन लागू करने, ईएसआईसी का वेतन सीमा इक्कीस हजार से बढ़ाकर बयालिस हजार करने, बोनस की गणना के लिए अधिकतम वेतन सीमा को सात हजार से बढ़ाकर अट्ठारह हजार करने, न्यूनतम ईपीएफ वेतन सीमा को प्रंदह हजार से बढ़कर तीस हजार करने, पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने, बोनस पात्रता वेतन को इक्कीस हजार से बढ़ाकर बयालिस हजार करने आदि प्रमुख मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर मांगो के समर्थन में नारेबाजी करते हुए विशाल रैली निकाली गई और प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौपा गया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के सभी अनुषांगिक संगठन के ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित थे।

जिले में बने खाबो - बने रहिबो 2.0'' अभियान शुरू, आठ प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए अमानक और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ द्वारा 'बने खाबो - बने रहिबो 2.0'' सात दिवसीय जन जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के परिपालन में जिले में भी अभियान की शुरुआत कर दी गई है, जिसके अंतर्गत मिष्ठान भंडारों एवं होटलों में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता तथा स्वच्छता की सघन जांच की जा रही है।अभियान के प्रथम दिवस अभिहित अधिकारी श्रीमती पुष्पा राज चौहान एवं

खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामप्रकाश जायसवाल तथा सुश्री दीपा साहू की संयुक्त टीम ने जिले के पंडित स्वीट्स, गोलू स्वीट्स, बाबा होटल, गुड्डू स्वीट्स, बंसल स्वीट्स, मद्रास होटल, राजस्थानी होटल एवं दिलीप होटल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।टीम द्वारा आवश्यकता पड़ने पर संदिग्ध खाद्य पदार्थों को रोकने, हटाने, जब्ती करने एवं अन्य विधिसम्मत कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए गए हैं। जांच के दौरान किसी भी प्रतिष्ठान में मिलावट अथवा अमानक खाद्य सामग्री पाए जाने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। प्रतिदिन सघन जांच एवं कार्यवाही की जाएगी तथा यह अभियान रक्षाबंधन पर्व तक निरंतर जारी रहेगा। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे मिष्ठान एवं खाद्य सामग्री की खरीदी करते समय गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी प्रकार की शिकायत की सूचना खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को देने का आग्रह किया गया है।

रेडक्रॉस सोसायटी की प्रबंध समिति की बैठक संपन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में रेडक्रॉस सोसायटी की प्रबंध समिति की बैठक कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के, सभापति श्री ओम प्रकाश जायसवाल, राज्य प्रबंध समिति प्रतिनिधि श्री बलवंत सिंह के उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने प्रबंध समिति के सदस्यों का परिचय प्राप्त किया तथा आगामी दिनों में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा किए जाने वाले जनसेवा एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों पर विस्तार से चर्चा की।

जिला रेड क्रॉस सोसायटी की बैठक में मानव सेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में टीबी मरीजों की सहायता के लिए फूड बास्केट उपलब्ध कराने तथा अधिक से अधिक लोगों को निक्षय मित्र बनने के लिए प्रेरित करने पर चर्चा हुई। बैठक में स्कूल एवं कॉलेजों में रेड क्रॉस की गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए, ताकि विद्यार्थियों एवं युवाओं को मानव सेवा, रक्तदान, आपदा सहायता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियों के प्रति जागरूक एवं सहभागी बनाया जा सके।

बैठक में वयोवृद्ध एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीनियर सिटीजन क्लीनिक प्रारंभ किए जाने के प्रस्ताव पर विशेष रूप से चर्चा की गई। वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य समस्याओं के लिए सुलभ एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप नियमित स्वास्थ्य जांच एवं स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा विकसित करने पर विचार-विमर्श किया गया।

सीनियर सिटीजन क्लीनिक के माध्यम से बुजुर्गों को एक ही स्थान पर आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श, जांच एवं उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल किए जाने पर चर्चा हुई। साथ ही आयुष पद्धति के माध्यम से भी वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर एवं समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर चर्चा किया गया, ताकि आवश्यकता के अनुरूप आयुर्वेद, योग एवं अन्य आयुष चिकित्सा पद्धतियों का लाभ उन्हें मिल सके।

जिले में समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने तथा जिले में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएगा।

बैठक में जिले में प्राथमिक सहायता के लिए मास्टर ट्रेनर उपलब्ध कराने की मांग किए जाने के साथ ही क्विक रिस्पॉन्स टीम में रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्यों को जोड़ने पर चर्चा की गई। प्राथमिक सहायता एवं अन्य आवश्यक प्रशिक्षणों के लिए विकासखंड स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित करने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में समिति के सदस्यों ने रेड क्रॉस सोसायटी की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव एवं विचार भी प्रस्तुत किए। सदस्यों ने समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सेवा गतिविधियों का लाभ पहुंचाने तथा रेड क्रॉस की सामाजिक सहभागिता को और मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक में आगामी महत्वपूर्ण दिवसों के लिए कार्ययोजना तैयार कर गतिविधियां आयोजित करने पर भी चर्चा की गई।बैठक में समिति के सदस्य, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विजय कुमार सिंह उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' से बेटियों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक हुए विद्यार्थी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत जिले के विकासखंड रामानुजनगर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परशुरामपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को बालिकाओं के अधिकार, महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े कानूनों, शासन की योजनाओं तथा हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के बीच निबंध लेखन एवं नारा लेखन प्रतियोगिता भी कराई गई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। जागरूकता सत्र में घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, मासिक धर्म स्वच्छता तथा बाल विवाह जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। बाल विवाह से होने वाले सामाजिक एवं व्यक्तिगत दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए विद्यार्थियों को बाल विवाह रोकने के लिए जागरूक रहने और इसकी सूचना संबंधित माध्यमों तक पहुंचाने की

समझाइश दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को 1098, 181, 112 एवं 1930 हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। आपात स्थिति, महिला एवं बाल सुरक्षा, घरेलू हिंसा अथवा साइबर अपराध से संबंधित परेशानी होने पर इन सेवाओं के माध्यम से सहायता एवं शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

इस अवसर पर नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना एवं सखी वन स्टॉप सेंटर सहित महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं तथा सुरक्षा संबंधी कानूनों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की कैरियर काउंसलिंग भी की गई। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने, उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी रखने तथा बेहतर करियर के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जागरूकता संबंधी ब्रोशर का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के महिला सशक्तिकरण हब से वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ सुश्री फरजाना, जेंडर विशेषज्ञ श्रीमती पूनम राजवाड़े, साइबर सेल से रॉय सिंह, विद्यालय के प्राचार्य चन्द्र विजय सिंह, नरेन्द्र कुमार शुक्ला, श्रीमती श्वेता, श्रीमती मीथिला राजवाड़े, बालसाय चक्रधर सहित शिक्षक शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कालोनी निर्माण एवं भवन निर्माण के लिए पंजीयन अनिवार्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगरीय क्षेत्रों में अवैध कालोनियों के निर्माण पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं नागरिकों के हितों की सुरक्षा के लिए छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम, 1961 तथा छत्तीसगढ़ नगरपालिका (कालोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण, निर्बन्धन तथा शर्तें) नियम, 1998 में स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं।

अधिनियम की धारा 339-क के तहत नगरपालिका परिषद अथवा नगर पंचायत क्षेत्र में भूमि को भूखण्डों में विभाजित कर कालोनी विकसित करने वाले व्यक्ति के लिए कालोनाइजर के रूप में पंजीयन अनिवार्य है। इसी प्रकार भवन अथवा अपार्टमेंट का निर्माण कर विक्रय या अंतरण करने वाले भवन निर्माता को भी पंजीयन प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक है। अवैध व्यपवर्तन अथवा अवैध कालोनी निर्माण पर धारा 339-ग के तहत तीन से सात वर्ष तक का कारावास तथा न्यूनतम एक लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। न्यायालय द्वारा प्रतिकर राशि का भुगतान करने का आदेश भी दिया जा सकता है। नियमों के अनुसार पंजीयन प्रमाण-पत्र पांच वर्ष के लिए वैध होता है। प्रत्येक कालोनी के विकास कार्य एवं भूखण्ड विक्रय के लिए सक्षम प्राधिकारी से पृथक विकास अनुमति लेना आवश्यक है। आवासीय कालोनियों में कुल भूमि का 15 प्रतिशत क्षेत्र आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित रखना तथा निर्धारित भूखण्डों को विकास कार्य पूर्ण होने तक नगरपालिका के पास बंधक रखना अनिवार्य है। जिला प्रशासन ने कालोनाइजरों एवं भवन निर्माताओं से नियमों का पालन करने की अपील की है। साथ ही नागरिकों से आग्रह किया गया है कि भूखण्ड या भवन खरीदने से पहले कालोनाइजर का पंजीयन, विकास अनुमति, स्वीकृत ले-आउट एवं भूखण्ड की बंधक स्थिति संबंधित नगरीय निकाय से अवश्य जांच लें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनी बाई आ० स्व० अमर साय निवासी शितला वार्ड (अ०पुर), थाना अ०पुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के सोनी बाई भसुर दया आ० स्व० रामदयाल की दिनांक 24/06/1970 को स्थान में हुई है। आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अत प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

सूचना

(शिवधरनल सिंह) में SHIVDHARAN SINGH (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी BUDHRAM SINGH गाँव/शहर कनकपुर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर ने अपना नाम शिवधरन सिंह (पुराना नाम) से बदलकर शिव धरन SHIV DHARAN नया नाम रख लिया है।

(शिव धरन)

सूचना

(मनोज मडल) में MANOJ MANDAL (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी SUBODH गाँव/शहर सतोषीनगर, तहसील बलरामपुर, जिला बलरामपुर रामानुजगंज ने अपना नाम गनोज कुमार मंडल अपने सर्विस शीट में (पुराना नाम) से बदलकर मनोज मंडल (MANOJ MANDAL) नया नाम रख लिया है।

(मनोज मंडल)

सूचना

(राम स्वरूप कुशवाहा) में RAM SWAROOP KUSHWAHA (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/ सुपुत्री/पत्नी MUKUNDI LAL KUSHWAHA गाँव/ शहर कनकपुर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर ने अपना नाम राम स्वरूप कुशवाहा (पुराना नाम) से बदलकर रामस्वरूप (RAMSWAROOP) नया नाम रख लिया है।

(रामस्वरूप)

सूचना

(राकेश निषाद) में RAKESH NISHAD (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी DURGA PRASAD गाँव/शहर केवट पारा, अडची, नवानगर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा ने अपना नाम राकेश निषाद (पुराना नाम) से बदलकर राकेश कुमार निषाद (RAKESH KUMAR NISHAD) नया नाम रख लिया है।

(राकेश कुमार निषाद)

सूचना

(अंकित दुबे) में ANKIT DUBEY (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/ सुपुत्री/पत्नी OM NARAYAN DUBEY गाँव/ शहर गणेशपुर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर ने अपना नाम अंकित दुबे (पुराना नाम) से बदलकर डॉ. अंकित दुबे (DR. ANKIT DUBEY) नया नाम रख लिया है।

(डॉ. अंकित दुबे)

कार्यालय नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक 330/न.पा.नि./लोनिवि/26-27 अम्बिकापुर दिनांक 17/08/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निकाय क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु कुल राशि रूपये 6.11 लाख (कुल 05 कार्य) के कार्यों की निविदा निर्धारित निविदा प्रपत्र 'अ' में आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त कार्य की निविदा की विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर के वेबसाईट https://uad.cg.gov.in/ में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

कोरिया फ्रंटलाइन

धान के साथ दलहन-तिलहन की खेती बढ़ाएं, मत्स्य पालन व डेयरी को दें नई उड़ान

प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने विभागवार समीक्षा में दिए निर्देश

■ खाद-बीज की समय पर उपलब्धता और विकास कार्यों में गुणवत्ता पर कोताही न हो

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मत्स्य पालन, पशुधन विकास विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागवार समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य, शिक्षा, वन, पंचायत, पशुपालन, आदिम जाति विकास सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री श्री नेताम ने जिले में दलहन-तिलहन के रकबे को और बढ़ाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि किसानों को धान के साथ दलहन एवं तिलहन की खेती के लिए प्रेरित किया जाए।

किसानों को फसल परिवर्तन से होने वाले आर्थिक लाभ और शासन की प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी भी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान फसल विविधीकरण को अपनाएं। मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि मत्स्य पालन लाभदायक व्यवसाय है। जिले में अधिक से अधिक ग्रामीणों और हितग्राहियों को इससे जोड़ा जाए तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने के निर्देश देते हुए कहा कि स्व-सहायता समूहों और ग्रामीणों को बकरी पालन, कुक्कुट पालन, मत्स्य पालन, सब्जी एवं फूलों की खेती जैसी गतिविधियों से जोड़ा जाए। वन विभाग तथा गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व की समीक्षा के दौरान मंत्री श्री नेताम ने कहा कि कोरिया में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को विकसित करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर कार्य किया जाए। उन्होंने जंगलों में आग की रोकथाम तथा वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी और तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में विधायक भईया लाल राजवाड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर, गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के संचालक सौरभ सिंह, वन मंडलाधिकारी श्री चंद्रशेखर शंकर सिंह परदेशी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगेंद्र श्रीवास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर

बैठक में मंत्री ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने बताया कि जिले में अब तक 2015 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 1440 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि राजस्व से संबंधित शिकायतें अधिक प्राप्त हुई हैं और उनका त्वरित गति से निराकरण किया जा रहा है। मंत्री ने लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री नेताम ने प्रधानमंत्री आवास योजना में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होने देने और योजना के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए।

डेयरी उद्योग को दें बढ़ावा

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि कोरिया जिले में डेयरी उद्योग की अपार संभावनाएं हैं। यहां के पशुपालकों तथा डेयरी से जुड़े ग्रामीणों और किसानों को इससे जोड़ने के लिए कार्य किया जाए, ताकि दूध उत्पादन के साथ गौपालन को भी बढ़ावा मिल सके।

खाद-बीज वितरण में पारदर्शिता और समयबद्धता जरूरी

मंत्री श्री नेताम ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को खाद और बीज समय पर तथा पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने मिलेट्स को बढ़ावा देने के साथ किसानों और ग्रामीणों को मुनगा (मोरिंगा) की खेती के लिए प्रोत्साहित करने कहा। उन्होंने कहा कि मुनगा की खेती पोषण के साथ-साथ व्यवसाय की दृष्टि से भी लाभप्रद है।

डेयरी उद्योग को दें बढ़ावा

नवनिर्मित जिला अस्पताल का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने नवनिर्मित जिला अस्पताल के शेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और आम लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

बच्चों की सुविधाओं और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान

स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने विद्यार्थियों को दिए जाने वाले गणवेश एवं साइकिल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार बच्चों को शिक्षा के साथ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, ताकि उन्हें पढ़ाई में किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनमें शिक्षा के प्रति रुचि बढ़े।

चिरमिरी निगम क्षेत्र में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों के विरोध में कांग्रेस ने निकाली टॉर्च पदयात्रा

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़/चिरमिरी (एमसीबी)। नगर निगम चिरमिरी क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा हल्दीबाड़ी से डोमनहिल तक टॉर्च पदयात्रा मार्च निकाला गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में टॉर्च लेकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया और शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने की मांग की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र की स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद पड़ी हैं, जिसके कारण शाम होते ही शहर के कई हिस्से अंधेरे में डूब जाते हैं। आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या को लेकर उदासीन बने हुए हैं।

उन्होंने कहा कि जनता से टैक्स और विभिन्न मदों में राशि लेने के बावजूद यदि मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी तो कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। टॉर्च पदयात्रा के माध्यम से कांग्रेस ने शासन-प्रशासन को यह संदेश दिया है कि जनता को अंधेरे में रखना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अशोक श्रीवास्तव ने मांग की कि चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र की सभी बंद स्ट्रीट लाइटों का तत्काल सर्वे कराकर उन्हें चालू कराया जाए तथा भविष्य में नियमित रखरखाव की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट लाइट केवल सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था में शीघ्र सुधार नहीं किया गया तो जनहित के इस मुद्दे को लेकर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

सरगुजा संभाग की छात्राओं ने रायपुर में दी देशभक्ति की शानदार प्रस्तुति

अंबिकापुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य राज्य स्तरीय समारोह में सरगुजा संभाग की छात्राओं ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि से सरगुजा जिले एवं पूरे संभाग का गौरव बढ़ा है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं ने मंगलवार को कलेक्टर अजीत वसंत से मुलाकात की। कलेक्टर ने छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके अनुशासन, मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी तरह आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा सहित शिक्षक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर अंबिकापुर की 286 छात्राओं ने सरगुजा संभाग का प्रतिनिधित्व किया।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनदर्शन आयोजित किया गया। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन की जांच कर समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में राशन, भूमि विवाद, मुआवजा, वन अधिकार पट्टा, अवैध कब्जा, सड़क पर गंदा पानी बहाए जाने, बिजली दुर्घटना में मुआवजा, अल्पबचत एजेंसी की सिक्योरिटी राशि, परीक्षा फॉर्म तथा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए अधिग्रहित भूमि के मुआवजे सहित विभिन्न मामलों से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। मनेंद्रगढ़ निवासी मंगल प्रसाद ने राशन नहीं मिलने की शिकायत की। माड़ीसरई निवासी राम लखन अहीरवार ने भूमि संबंधी समस्या, जबकि खोंगापानी निवासी अनीष अंसारी ने पूर्व में प्रस्तुत आवेदन के शीघ्र निराकरण की मांग की। नागपुर निवासी तारा देवी जायसवाल ने उचित मूल्य दुकान संचालक के व्यवहार और नहर की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत रखी। खड़गवां निवासी अनीता ने रोपा लगाने के दौरान बिजली करंट की चपेट में आने से दिव्यांग होने के मामले में मुआवजा दिलाने की मांग की। मनेंद्रगढ़ निवासी बेचू बंसल ने सड़क मार्ग पर सेप्टी टैंक का गंदा पानी बहाए जाने की शिकायत की। चनवारीडांड निवासी आदित्य नंदन पासवान ने डाकघर में अभिकर्ता के रूप में कार्य करने तथा पूर्व की अल्पबचत एजेंसी की सिक्योरिटी राशि वापस दिलाने संबंधी आवेदन दिया। शिक्षा से जुड़े मामले में खड़गवां निवासी करुणा तिर्की ने कम उपस्थिति के कारण परीक्षा फॉर्म भरने की अनुमति नहीं मिलने की समस्या रखी। छरछा निवासी बालगोविंद ने वन अधिकार के तहत प्राप्त भूमि पर कब्जे के प्रयास की शिकायत की। चिरमिरी निवासी अब्दुल रसीद ने भूमि मुआवजा दिलाने तथा प्रभावित लोगों का सर्वे कराने की मांग की। नागपुर के हितग्राहियों ने एनएच-43 के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों में स्थल निरीक्षण अथवा विस्तृत जांच की आवश्यकता है, वहां तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने प्राप्त आवेदन केवल औपचारिकता न बनें, बल्कि प्रत्येक प्रकरण की वास्तविक स्थिति की जांच कर नियमानुसार समाधान सुनिश्चित किया जाए।

नेता प्रतिपक्ष महंत व सांसद ज्योत्सना महंत ने ली जिला कांग्रेस कमेटी की समीक्षा बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिला कांग्रेस कमेटी मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत एवं कोरबा लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ आम जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान की विशेष रूप से समीक्षा की गई। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत एवं सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने अभियान की प्रगति, जनता की समस्याओं तथा अब तक किए गए प्रयासों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव सहित सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों से अभियान एवं संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट ली गई। ब्लॉक अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर से संबंधित उपभोक्ताओं की समस्याओं, प्राप्त शिकायतों तथा कांग्रेस द्वारा किए जा रहे जनहित के प्रयासों की जानकारी दी। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर आम उपभोक्ताओं के बीच व्याप्त समस्याओं और आशंकाओं को गंभीरता से उठाया जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और वार्ड-वार्ड पहुंचकर जनता की समस्याओं को समझें तथा उन्हें मजबूती से शासन-प्रशासन के समक्ष रखें। बैठक में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने, जनसमस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने तथा स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान को व्यापक जनआंदोलन का रूप देने को लेकर भी आवश्यक रणनीति पर चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, सभी ब्लॉक अध्यक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोरिया वन मंडल परिक्षेत्र सोनहत के प्लांट टेशन में बेशकीमती वृक्षों के सुरक्षा के लिए लगाये गये फेंसिंग तार हो रहे गायब

■ वन रक्षक फायर वाचर को अपने घर की काम करवा रहे हैं फेंसिंग तार एवं खंभा गिरकर सरपट

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। कोरिया वन मंडल परिक्षेत्र सोनहत के बेलिया रास्ते पर तीन साल पहले वन विभाग द्वारा लाखों रूपये खर्च कर बेशकीमती पौधौ का रोपणी कराया गया है जिसकी सुरक्षा हेतु कांटेदार फेंसिंग तार से प्लांट टेशन को घेरा गया है लेकिन इन दिनों वन रक्षक एवं वन पाल की उदासीनता के कारण पुरी फेंसिंग तार ही गायब होते जा रहे हैं एवं खंभों को तोड़ कर किनारे कर दिया जा रहा है वन रक्षक से मिलकर ग्रामीणों अपनी पशु जानवरों को प्लांट टेशन में चारागाह बना दिये है जिससे कीमती एवं तैयार हुई पौधे फिर से पशु गाय भैंसे बकरी लोग खत्म कर दे रही है एवं धराशाई हो जा रही है दुर्लभ जड़ी-बूटियों एवं पौधों को तैयार किया गया है जिसमें खैर शीशम सागौन दहिमन जैसे पौधे तैयार होकर ख़त्म हो रही है वहीं पर प्लांट टेशन में फायर वाचर रखा गया है लेकिन ये प्लांट टेशन की काम के बजाये वन रक्षक की घर की रात दिन काम कर रहे हैं एवं ग्रामीण जनता वन रक्षक से मिलकर अपनी जानवरों को प्लांट टेशन में तार को गायब कर खंभा को तोड़कर अपनी काम कर रहे हैं वन रक्षक उन्हीं लोगों के घर जाकर बकायदा खा पीकर चले आते हैं और उन्ही ग्रामीणों से अपना गृह ग्राम के घर ले जाकर एवं अपने स्टाफ रूम का काम तथा दिन भर रूम के बाहर रहकर शाम को अपनी घर फायर वाचर पहुंचते हैं अगर प्लांट टेशन की सुरक्षा खत्म हो गई है तो फेंसिंग तार को सुरक्षित लपेटकर क्यों नहीं रखा जा रहा है ताकि दुसरे प्लांट की सुरक्षा की जा सके।

फायर वाचर प्लांट टेशन जंगलों को छोड़कर कर दुसरे जगह पर रखा जायेगा तो स्वाभाविक है तार तोड़कर मवेशियों को अंदर चारागाह बनाया जायेगा ही अगर दिन भर फायर वाचर ही खंभों एवं फेंसिंग तारों को सुधार करते रहे तो फेंसिंग तार कुछ नहीं होगा तैयार पौधों को बकरी या पालतू जानवर खा रहे हैं वहां पर कोई बोलने वाला नहीं है इसके साथ ही प्रतिबंधित क्षेत्रों की जंगलों की अंधाधुंध कटाई अनवरत जारी है घनघोर जंगल के नाम से विख्यात आज अपने अस्तित्व को रो रही है।

मुन्नी बाई के घर पहुंचा नल का जल, आसान हुआ जीवन

एमसीबी। स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल के लिए लंबी दूरी तय करना, कुएं और हैंडपंप से पानी भरकर घर तक लाना और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए घंटों समय खर्च करना ग्राम रेंद की मुन्नी बाई के जीवन का हिस्सा था। पानी की व्यवस्था में लगने वाला समय और मेहनत उनके दैनिक जीवन को कठिन बना देता था। लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल की सुविधा पहुंचने के बाद मुन्नी बाई के घर में न केवल पानी पहुंचा है, बल्कि उनके जीवन में सुविधा, स्वच्छता और उम्मीद की नई शुरुआत हुई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्राम पंचायत भगवानपुर, विकासखंड भरतपुर में ग्रामीण परिवारों को घर-घर नल कनेक्शन के जरिए पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। इसी पहल का लाभ ग्राम रेंद की निवासी मुन्नी बाई को भी मिला है। मुन्नी बाई बताती हैं कि पहले घर की रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी जुटाना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक था।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के साथ उल्लास महाचौपाल का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। ग्राम पंचायत कठौतिया, संकुल - बेलबहरा, विकासखंड-मनेंद्रगढ़, जिला- एमसीबी के शाला परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह के साथ उल्लास महा चौपाल जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी रविकांत यादव, मनेंद्रगढ़ के विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन पांडेय, उल्लास कार्यक्रम के जिला परियोजना अधिकारी गणेश यादव, विकासखंड परियोजना अधिकारी सुशील शर्मा, उल्लास कार्यक्रम की एस आर जी श्रीमती खुशबू दास, जिला सांख्यिकी अधिकारी, पारसमणी,जनपद पंचायत

सदस्य श्रीमती पूजा कोल, ग्राम पंचायत कठौतिया के सरपंच दीपक रौतिया, उप सरपंच गणेश रवि, सचिव भुनेश्वर सिंह सभी पंचगण, प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला कठौतिया के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सभी ग्राम वासियों की उपस्थिति सराहनीय रही। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम प्रभात फेरी एवं उल्लास ज्ञान रथ निकाला गया जिसमें समस्त ग्रामीणों के साथ- साथ समस्त कर्मचारी भी उपस्थित रहे। तत्पश्चात ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद सामूहिक उल्लास शपथ ली गई। मंचस्थ सभी लोगों का शाला परिवार की तरफ से पुष्पगुच्छ के द्वारा स्वागत किया गया। सभी नवसाक्षरों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा सेल्फी पॉइंट से सेल्फी ली गई। नवसाक्षरों के साथ रिंग फेंको वर्ण पहचानो साक्षरता प्रतियोगिता रखी गई जिसमें सभी ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। उल्लास कार्यक्रम में सहयोगी स्वयं सेवी शिक्षकों, ग्राम प्रभारी योगेश कुमार लहंगीर, श्रीमती उर्मिला सिंह को जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी,डीपीओ, जनपद पंचायत सदस्य महोदया द्वारा सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस एवं उल्लास थीम पर स्वयंसेवकों द्वारा रंगोली बनाई गई एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए ग्राम पंचायत कठौतिया के सौजन्य से कार्यक्रम में शामिल सभी छात्र-छात्राओं, नवसाक्षरों एवं शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया एवं अंत में ग्राम प्रभारी योगेश कुमार लहंगीर द्वारा उपस्थित सभी लोगों का आभार प्रदर्शन किया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा